हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

# प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 अंक : 45 प्रयागराज, मंगलवार 16 मई , 2023 हिन्दी दैनिक पृष्ठ–4 मूल्य : 3 रुपया

## सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद को करना पड़ा शिवकुमार के गुस्से का सामना

**नई दिल्ली।** साइबर अपराधों से निपटने में अपनी विशेषज्ञता के लिए पहचाने जाने वाले केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के नए निदेशक प्रवीण सूद और कर्नाटक कांग्रेस प्रमुख डी. के. शिवकुमार के बीच अच्छे संबंध नहीं थे। प्रवीण सूद तब सुर्खियों में आए जब कर्नाटक कांग्रेस के प्रमुख डीके शिवकुमार ने उन पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का पक्ष लेने का आरोप लगाया। शिवकुमार ने इस साल मार्च में सूद को नालायक कहा था और कथित तौर पर कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की धमकी दी थी। शिवकुमार ने भाजपा के साथ कथित संबद्धता के लिए सूद की आलोचना की, यह सवाल करते हुए कि वह एक पुलिस अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को पूरा करने के बजाय कब तक पार्टी सदस्य के रूप में सेवा करते रहेंगे। शिवकुमार के अनुसार, सूद ने भाजपा नेताओं के खिलाफ एक भी मामला दर्ज नहीं करते हुए कांग्रेस नेताओं के खिलाफ लगभग 25 मामले दर्ज किए हैं। 1986 बैच के आईपीएस अधिकारी 22 साल की उम्र में अधिकारी बने। सूद

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा के रहने वाले हैं। उनके पिता ओम प्रकाश सूद, दिल्ली सरकार में क्लर्क रहे, जबकि उनकी मां कमलेश सूद दिल्ली के एक सरकारी स्कूल में शिक्षक थीं। दिल्ली के एक सरकारी स्कूल से स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद, सूद ने आईआईटी दिल्ली से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया। सूद 22 साल की उम्र में आईपीएस अधिकारी बने। 1986 में वे कर्नाटक कैडर में शामिल हुए। इस क्षमता में सेवा करते हुए, उन्होंने आईआईएम बैंगलोर से पब्लिक पुलिस मैनेजमेंट में एमबीए किया। अपनी पुलिस सेवा के शुरूआती सालों में, उन्होंने बेल्लारी और रायचूर में पुलिस अधीक्षक के साथ–साथ बेंगलुरु और मैसूर में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जैसे पदों पर कार्य किया। उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए, सूद को 1996 में कर्नाटक के मुख्यमंत्री द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया था। 2002 में, उन्होंने पुलिस पदक प्राप्त किया, इसके बाद 2011 में विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक मिला। जून 2020 में, सूद को कर्नाटक में पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजीपी) के रूप में नियुक्त किया गया। सूद मॉरीशस सरकार के पुलिस सलाहकार के रूप में भी काम कर चुके हैं। प्रवीण सूद की शादी सामाजिक उद्यमी विनीता सूद से हुई है। दंपति की दो बेटियां हैं। उनकी एक बेटी अशिता सूद के पास लॉ में पोस्टग्रेजुएट की डिग्री है। 2022 में अशिता ने क्रिकेटर मयंक अग्रवाल से शादी की। एक क्रिकेटर से उनकी बेटी की शादी ने भी काफी सुर्खियां बटोरीं। बेंगलुरु पुलिस आयुक्त के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, सूद ने श्नम्मा 100श नामक एक आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली शुरू की। यह 100 लाइनों वाली एक बहुभाषी प्रणाली थी और चौबीसों घंटे 276 आपातकालीन वाहनों के साथ संचालित थी। इस प्रणाली को 15 मिनट के भीतर कॉल का जवाब देने के लिए डिजाइन किया गया था।

इसके अलावा, सूद ने ओशरा पिंक होयसला नामक एक सुरक्षा ऐप लॉन्च करके महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया। वर्तमान में, कर्नाटक में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में सेवारत सूद अपनी नई भूमिका के लिए अनुभव और विशेषज्ञता का खजाना लेकर आए हैं।

## महाराष्ट्रः गर्भवती महिला को नहीं मिली एंबुलेंस, इलाज के लिए 7 किमी चली पैदल, हुई मौत

**पालघर।** महाराष्ट्र के पालघर जिले में गांव से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) तक पैदल सात किलोमीटर आने–जाने के दौरान लू लगने से 21 वर्षीया एक गर्भवती आदिवासी महिला की सोमवार को मौत हो गई। पालघर जिले के सिविल सर्जन डॉ. संजय बोडाडे ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को उस समय हुई जब दहानू तालुका के ओसर वीरा गांव की सोनाली वाघाट चिलचिलाती धूप में साढ़े तीन किलोमीटर पैदल चलकर पास के एक राजमार्ग पर पहुंची, जहां से ऑटो–रिक्शा से तावा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गईं। उन्होंने कहा कि नौ माह की गर्भवती महिला को पीएचसी में इलाज के बाद घर भेज दिया गया। तेज गर्मी के बीच वह फिर से राजमार्ग से साढ़े तीन किलोमीटर पैदल चलकर घर वापस पहुंची।अधिकारी ने कहा कि बाद में शाम को उसकी तबियत और बिगड़ गई और वह धुंदलवाड़ी पीएचसी गई, जहां से उसे कासा अनुमंडलीय अस्पताल (एसडीएच) भेज दिया गया। वहां महिला के कई स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त होने का पता चला।

## सीएम योगी आदित्यनाथ ने रुद्राभिषेक कर की कलश यात्रा की शुरुआत

**गोरखपुर।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में बने 9 देवी–देवताओं के नवीन मंदिरों में विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में धार्मिक अनुष्ठानों के द्वितीय चरण की शुरुआत हुई। लखनऊ में सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के अनुसार, सोमवार सुबह गोरखपुर के मानसरोवर मंदिर पहुंचे योगी ने भगवान भोलेनाथ का दर्शन–पूजन किया और शिव जी को प्रिय बिल्वपत्र, दूर्वा समेत अनेक सामग्री का अर्पण करते हुए वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण किया। रुद्राभिषेक के बाद वह जलाशय पर पहुंचे जहां बड़ी संख्या में साध J–संत महिला–पुरुष श्रद्धालु, वेदपाठी विद्यार्थी, आचार्य गण, यजमान आदि पहले से उपस्थित थे। यहां मुख्यमंत्री ने सरोवर पूजन कर पांच कन्याओं को जल से भरा कलश सौंपकर कलश व रथ यात्रा की शुरुआत की। इसके बाद यह यात्रा गोरखनाथ मंदिर के लिए चल पड़ी। यह कलश यात्रा 21 मई तक होने वाले श्रीमद्भागवत पुराण

कथा ज्ञान यज्ञ एवं श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के लिए निकाली गई। इस अवसर पर रथ पर विराजित सभी 9 नवीन देव विग्रहों की रथयात्रा भी निकाली गई। यात्रा के गोरखनाथ मंदिर पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने यज्ञशाला में कलश स्थापना की और पंचांग पूजन किया। शोभायात्रा में सबसे आगे शंख बजाते हुए वेदपाठी विद्यार्थी देव विग्रहों की अगवानी करते हुए चल रहे थे, जिनकी प्राण प्रतिष्ठा आगामी 21 मई को गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के हाथों होनी है। कलश एवं रथयात्रा का समापन गोरखनाथ मंदिर परिसर में नवीन मंदिरों के समक्ष स्थित यज्ञशाला पर हुआ। यहां सभी के कलश यज्ञशाला में कतारबद्ध तरीके से रखवाए गए। इसके बाद योगी आदित्यनाथ ने यज्ञशाला में वेदी पर कलश पूजन तथा पंचांग पूजन कर श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के अंतर्गत होने वाले धार्मिक अनुष्ठान को आगे बढ़ाया। यज्ञशाला में 21 मई तक प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से 12 बजे तक तथा अपराह्न 2 बजे से पांच बजे तक अलग अलग धार्मिक अनुष्ठान होंगे।

## मणिपुर की अखंडता पर नहीं आने देंगे आंच', गृह मंत्री शाह से मुलाकात के बाद बोले सीएम एन बीरेन सिंह

**नई दिल्ली।** मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बताया कि ऑपरेशन के स्थगित होने के बाद अवैध हथियार रखने वाले उग्रवादियों के खिलाफ कड़ी कारवाई की जाएगी। एन बीरेन ने जनहानि और संपत्ति के नुकसान के लिए मणिपुर निवासियों के प्रति अपना शोक व्यक्त किया। वहीं दूसरी ओर सोमवार को पूर्वोत्तर राज्य की कुकी बहुल जिलों के लिए अलग नए प्रशासन के लिए अपनी पार्टी के ही सात विध ायकों की मांद रद्द करते हुए कहा कि मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा की जाएगी। मीडिया से बातचीत करते हुए एन बीरेन सिंह ने कहा कि हमने गृहमंत्री के साथ मुलाकात की है और उन्होंने भी इस घटना के प्रति संवेदना जताई है। कुकी नेशनल आर्मी और जोमी रिवोल्यूशनरी आर्मी के साथ उग्रवादी समूहों के साथ ऑपरेशन के निलंबन (एसओओ) के संबंध में, अमित शाह ने लोगों को विश्वास दिलाया है कि समझौते के नियमों के अनुसार, सेना, संयुक्त निगरानी समिति और राज्य पुलिस ने कई शिविरों का जांच पड़ताल की है। सीएम बीरेन सिंह ने कहा कि गृह मंत्री ने कहा है कि अवैध ा हथियार रखने वालों उग्रवादियों से सख्ती बरती जाएगी और उनके

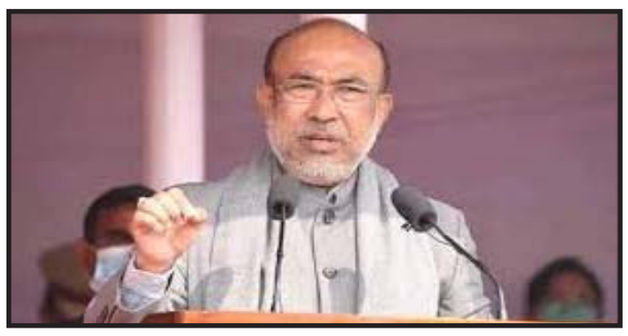

खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। अमित शाह ने आश्वासन दिया है कि केंद्र इस स्थिति से दृढ़ता से सामना करेगा और राज्य में शांतिमय माहौल स्थापित करने में अपना योगदान देगा। उन्होंने ये भी विश्वास दिलाया है कि वह राज्य कि एकता और अखंडता को किसी भी तरह से प्रभावित होने से बचाएंगे। इसके साथ इस बात की भी जांच की जा रही है कि अवैध बंदूकें रखने वाला समूह सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन (एसओओ) के तहत उग्रवादी समूहों के अलावा, हिंसा करने में शामिल थे या नहीं। गृहमंत्री ने प्रभावित लोगों के लिए जल्द ही आवास की व्यवस्था करने का भी आश्वासन दिया है। एन बीरेन सिंह ने राज्यवासियों से अपील की है वे किसी भी तरह के प्रदर्शन में भाग न लें ,इस राज्य की स्थिति खराब हो सकती है। राज्य सरकार राज्य में शांतिमय स्थिति बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। कई जगहों पर उन्होंने सैनिक बलों को तैनात किया है। आवश्यक वस्तुएं आश्रय शिविरों तक पहुंचाई जा रही है। उन्होंने राज्य सरकार के प्रयासों में नागरिक समाज संगठनों का समर्थन मांगा है। इस मौके पर बिजली मंत्री थोंगम बिस्वजीत, महूद मंत्री युमनाम खेमचंद, निर्माण मंत्री गोविंददास कोंथौजम, आईपीआर मंत्री डॉ. सपम रंजन और राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष सोरोखैबम राजेन भी उपस्थित थे।

## जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत सीएम ने किया 10–10 लाख रुपए की सहायता राशि का ऐलान

**चेन्नई।** तमिलनाडु के विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिले में पिछले दो दिन के दौरान जहरीली शराब पीने से कुल 14 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि विलुप्पुरम जिले के मरक्कानम के पास एकियारकुप्पम मछुआरा बस्ती में कल शराब त्रासदी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 9 हो गई, जबकि चार और लोगों ने अस्पतालों में दम तोड़ दिया।

इसके अलावा, चेंगलपेट जिले के मदुरंतकम में एक दंपती सहित पांच लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दोनों घटनाओं के सिलसिले में कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चेंगलपट्टू शराब त्रासदी में मारे गए पांच लोगों के परिवारों को 10–10 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की। उन्होंने बीमार लोगों के लिए 50–50 हजार रुपए की सहायता राशि की भी घोषणा की और अस्पताल प्रशासन को उन्हें सर्वोत्तम इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया।

## सचिन पायलट बोले, मैं किसी पद पर रहूं या नहीं, आखिरी सांस तक राजस्थान के लोगों की सेवा करूंगा

**जयपुर।** कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोमवार को कहा कि अगर राज्य सरकार ने पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे सरकार के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार के मामलों की जांच सहित उनकी तीन मांगें नहीं मानीं तो वे पूरे राज्य में आंदोलन करेंगे।

पायलट ने इसके लिए राज्य की कांग्रेस सरकार को इस महीने के आखिर तक यानी 15 दिन का समय दिया है। पायलट ने यहां जयपुर में अपनी पांच दिन की जनसंघर्ष पद यात्रा के समापन अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए यह घोषणा की।

उन्होंने कहा कि उनकी पहली मांग है कि राज्य सरकार राजस्थान लोकसेवा आयोग को बंद कर, पूरे तंत्र का पुनर्गठन करें, नए कानून मापदंड बनें और पारदर्शिता से लोगों का चयन हो। उन्होंने कहा, ''मेरी दूसरी मांग है कि पेपर लीक से प्रभावित प्रत्येक नौजवान को उचित आर्थिक मुआवजा दिया जाना चाहिए।

तीसरी मांग है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के खिलाफ लगे

आरोपों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। पायलट ने आगे कहा, ''इस महीने के आखिर तक, नौजवानों के हित में और भ्रष्टाचार के खिलाफ, ये तीनों मांगें अगर नहीं मानी गईं तो मैं आप लोगों को बताना चाहता हूं कि अभी मैंने गांधीवादी तरीके से (एक दिवसीय) अनशन किया, जनसंघर्ष यात्रा निकाली है। महीने के आखिर तक अगर कार्रवाई नहीं होती है तो मैं पूरे प्रदेश में आंदोलन करूंगा आप लोगों के साथ। जनता के साथ रहेंगे कृगांव, ढाणी, शहरों में हम पैदल चलेंगे। जनता को साथ लेकर चलेंगे, न्याय करवाएंगे। आपकी (लोगों की) बात को रखते रहेंगे। इसके साथ ही पायलट ने कहा कि उनकी निष्ठा और ईमानदारी पर उनके घोर विरोधी भी उंगली नहीं उठा सकते। उन्होंने कहा, ''मैं किसी पद पर रहूं या नहीं, मैं राजस्थान की जनता की सेवा अपनी आखिरी सांस तक करता रहूंगा।

उल्लेखनीय है कि पायलट ने पांच दिन की अपनी इस पदयात्रा की शुरुआत बृहस्पतिवार को अजमेर से की। इसे राजस्थान में इस चुनावी साल में, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस आलाकमान पर दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं और कांग्रेस यहां अपनी सरकार दोबारा बनने की उम्मीद कर रही है। जनसभा में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

इसमें राज्य सरकार के मंत्री राजेंद्र गुढ़ा व हेमाराम चौधरी के साथ साथ विधायक जीआर खटाना, वेद सोलंकी, सुरेश मोदी, राकेश पारीक, हरीश मीणा, खिलाड़ीलाल बैरवा, गिर्राज मलिंगा, दीपेंद्र सिंह शेखावत, मुकेश भाकर, इंद्राज गुर्जर और रामनिवास गावड़िया भी शामिल हुए।

## रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

**चंडीगढ।** हरियाणा सरकार ने दिल्ली–गुरुग्राम– शाहजहांपुर–नीमराणा– बहरोड़ (एस.एन.बी.) – अलवर और दिल्ली से पानीपत रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आर.आर.टी.एस.) प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे दी है। केन्द्र सरकार द्वारा इन परियोजनाओं की स्वीकृति विचाराधीन है। आज यहां मुख्य सचिव संजीव कौशल की अध यक्षता में हुई आर.आर.टी.एस. की बैठक के दौरान बताया गया कि दिल्ली–एस.एन.बी. आर.आर.टी.एस. कॉरिडोर की लंबाई 107 किलोमीटर होगी। इसमें 70 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड और शेष 37 किलोमीटर अंडरग्राउंड होगा। इस पर 6 अंडरग्राउंड, 9 एलिवेटेड और 1 एट–ग्रेड स्टेशन होंगे। धारूहेड़ा में एक डिपो बनाने की योजना है। दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान से गुजरने वाले इस कॉरिडोर की लंबाई क्रमशः 23 किमी, 83 किमी और 2 किमी है। प्रस्तावित अलायनमेंट का एलिवेटेड हिस्सा पुरानी दिल्ली–गुरुग्राम, गुरुग्राम में सेक्टर 17 के राइट ऑफ वे (आर.ओ.डब्ल्यू.) और एस.एन.बी. (राजस्थान सीमा) तक एनएच–40, 48 के बीच होगा। दिल्ली,

हरियाणा और राजस्थान ने इस परियोजना को मंजूरी दे दी है जबकि केन्द्र सरकार इसकी स्वीकृति विचाराध ीन है।

दिल्ली–एस.एन.बी. कॉरिडोर के प्रस्तावित स्टेशनों में सराय काले खां, आई.एन.ए., मुनीरका, एरोसिटी, उद्योग विहार, सेक्टर–17, राजीव चौक, खेड़कीदौला, मानेसर, पंचगांव, बिलासपुर चौक, धारूहेड़ा, एम.बी.आई. आर., रेवाड़ी, बावल और एस.एन.बी. हैं। बैठक के दौरान अवगत कराया गया कि 103 किमी लंबे अलायनमेंट के दिल्ली–पानीपत आर.आर.टी.एस. कॉरिडोर का 11.5 कि.मी. हिस्सा एलिवेटेड और शेष 91.5 कि.मी. हिस्सा अंडरग्राउंड होगा। इसमें 2 अंडरग्राउंड, 14 एलिवेटेड और 2 एट ग्रेड स्टेशन होंगे। मुरथल और पानीपत में दो डिपो बनाने की योजना है। दिल्ली में इसकी लम्बाई 36.2 कि.मी. जबकि हरियाणा में 66.8 कि.मी. होगी। आर.आर.टी.एस. परियोजना केन्द्र सरकार के प्रमुख रणनीतिक हस्तक्षेपों में से एक है और तदनुसार, शहरी गतिशीलता में बदलाव लाने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रोजगार और आर्थिक अवसरों तक पहुंच के माध्यम से आमजन को सशक्त बनाकर उसे टिकाऊ, आरामदायक और तेज सार्वजनिक परिवहन मुहैया करवाने के उद्देश्य से इसे केन्द्र सरकार की नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एन.आई.पी.) में शामिल किया गया है। एन.सी.आर. टी.सी. भारत सरकार एक संयुक्त उद्यम कंपनी है तथा दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान भागीदार राज्य हैं। इसका प्रशासनिक नियंत्रण केन्द्रीय आवास और शहरी मामले मंत्रालय के अधीन है। एन.सी.आर.टी.सी. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों में आरामदायक और तेज पारगमन सुविधा प्रदान करने और परिवहन मांग में उच्च वृद्धि को पूरा करने के लिए एन.सी.आर. में रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आर. आर.टी.एस.) परियोजनाओं के डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन, वित्त–पोषण, संचालन और रखरखाव का कार्य करता है। एन.सी.आर.टी.सी. के प्रबंध निदेशक विवेक सिंह ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बताया कि दिल्ली–मेरठ आर. आर.टी.एस. कॉरिडोर का साहिबाबाद से दुहाई तक तक 17 कि.मी. लंबा हिस्सा चालू होने वाला है।

## फडणवीस बोले जो लोग दंगा भड़का रहे, उन्हें बेनकाब किया जाएगा सरकार उन्हें सबक सिखाएगी

**मुंबई ।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि कुछ ऐसे संगठन एवं लोग हैं जो चाहते हैं कि राज्य अस्थिर रहे लेकिन सरकार उन्हें सबक सिखाएगी। उन्होंने पुणे में पत्रकारों से बातचीत में यह भी कहा कि जो लोग दंगा भड़का रहे हैं, उन्हें बेनकाब किया जाएगा और सरकार उन्हें कामयाब नहीं होने देगी। महाराष्ट्र के अकोला में शनिवार रात को एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दो समुदायों के सदस्य आप में भिड़ गए थे। इस हिंसा में एक व्यक्ति की जान चली गई जबकि दो पुलिसकर्मियों समेत आठ अन्य घायल हो गए। मार्च में औरंगाबाद जिले के किराडपुरा इलाके में राममंदिर के पास दो समूहों के बीच झड़प के बाद स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश के दौरान करीब 500 लोगों की भीड़ ने पथराव किया था और पेट्रोल से

भरी बोतलें फेंकी थी। इस हिंसा में 10 पुलिसकर्मियों समेत कम से कम 12 लोग घायल हुए थे। फडणवीस ने कहा कि यह शत–प्रतिशत सच है कि कुछ ऐसे लोग और संगठन हैं जो चाहते हैं कि राज्य अस्थिर रहे। लेकिन सरकार उन्हें बेनकाब करेगी और उन्हें सबक सिखाएगी। राज्य में दो स्थानों पर हाल में हुई हिंसक घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''जिन दो स्थानों पर दंगे हुए, वहां पुलिस ने सही समय पर हस्तक्षेप किया और शांति बहाल की गई। पुलिस चौकस है तथा वहां अन्य स्थानों से अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। गृह विभाग का कामकाज भी संभाल रहे फडणवीस से जब ऐसी घटनाओं के पीछे की वजह के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'यह सच है कि कुछ लोग आग में घी डालने की जानबूझकर चेष्टा कर रहे हैं और पर्दे के पीछे से अपना खेल खेल रहे हैं। लेकिन वे इसमें कामयाब नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि हम उन्हें बेनकाब करेंगे और कामयाब नहीं होने देंगे।

# सम्पादकीय

## अरावली पर सख्ती

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील अरावली क्षेत्र में अवैध खनन पर रोक लगाने के प्रयासों में शिथिलता के चलते एक बार फिर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी ने तल्खी दिखायी है। निस्संदेह, हरियाणा सरकार की आलोचना के मूल में चिंता बढ़ाने वाली चूकों की लंबी शृंखला शामिल है। दरअसल, प्राधिकरण का मानना है कि कई गंभीर मामलों में कानूनी बाध्यता के बावजूद प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की गई। वहीं दूसरी ओर कई मामलों में जांच–पड़ताल लंबे समय से लंबित रही है। इतना ही नहीं, कई मामलों में कानून के प्रासंगिक प्रावधान प्राथमिकी और चार्जशीट में नहीं जोड़े गये हैं। विडंबना ही है कि अवैध खनन व परिवहन से संबंधित सात आपराधिक मामलों में आरोपी बरी हो गये। निस्संदेह, यह घटनाक्रम बताता है कि अवैध खनन रोकने की दिशा में कारगर कदम नहीं उठाये गये हैं। कह सकते हैं कि जिम्मेदार अधिकारियों की अक्षमता, पर्याप्त प्रशिक्षण का अभाव व कदाचार के बीच लापरवाही के चलते कानूनी प्रावधानों का पालन नहीं हो पाया है। इन मामलों में निष्क्रियता का उल्लेख एनजीटी ने किया भी है। विगत में भी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल तंत्र की उदासीनता की ओर ध्यान दिला चुका है और सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग कर चुका है। कह सकते हैं कि एनजीटी की हालिया टिप्पणी राज्य सरकार के उन दावों की हकीकत पर सवाल उठाती है जिसको लेकर राज्य सरकारें मामले में सक्रिय होने का दावा करती रही हैं। यही वजह है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल इस मामले में सख्त टिप्पणी करता रहा है। बहरहाल, इस समस्या का गाहे–बगाहे उजागर होना दर्शाता है कि इस मामले में सख्त कार्रवाई के लिये प्रशासनिक व राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी रही है। दरअसल,अरावली क्षेत्र में प्रतिबंध के बावजूद स्टोन क्रशर और स्क्रीनिंग प्लांट्स की गतिविधियां चिंता बढ़ाने वाली बतायी जाती हैं, जिसके बाबत एनजीटी ने जानकारी मांगी है। अरावली क्षेत्र में खनिजों की खरीद, उन्हें ले जाने वाले वाहनों के लिये स्थापित चेकपोस्टों की संख्या, जीपीएस आदि आधुनिक तकनीकों समेत निगरानी तंत्र के बाबत राज्य सरकार से हलफनामा मांगा गया है। साथ ही हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से कहा गया है कि वह पर्यावरण क्षतिपूर्ति व अवैध खनन रोकने के लिये एकत्र किये गये जुर्माने के उपयोग से भूमि को मूल अवस्था में लाने तथा पुनर्वास करने के लिये एक कार्य योजना प्रस्तुत करे। निस्संदेह, इस जटिल होती समस्या के स्थायी समाधान के लिये एक स्वतंत्र अरावली संरक्षण प्राधिकरण स्थापित करने पर विचार करने की जरूरत महसूस की जा रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि एनजीटी के सख्त रवैये के बाद राज्य सरकार प्रभावी कार्रवाई के लिये रणनीति में बदलाव करेगी। सही मायनों में यदि राज्य सरकार वाकई ही खनन माफिया की गतिविधियों पर लगाम लगाने के प्रति गंभीर दिखना चाहती है तो इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को भी जांच व कार्रवाई के दायरे में लाने की जरूरत है। तभी हम पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं।

## इस मोर्चाबंदी से सावधान

चीन–पाकिस्तान की सैन्य रणनीति में समरूपता बैठाने की कोशिशों के बीच अब टू फ्रंट वॉर की बात बेमायने हो गई है। कभी युद्ध की नौबत आई, तो भारत के सामने कश्मीर से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक एक ही मोर्चा होगा।

कई रक्षा विशेषज्ञ इस बात की चर्चा करते रहे हैं कि 5 अगस्त 2019 (जिस दिन भारत सरकार ने कश्मीर के लिए धारा 370 रद्द की और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया) के बाद का एक प्रमुख घटनाक्रम चीन और पाकिस्तान के बीच सैन्य संबंधों में आई निकटता है। दोनों देशों की सैन्य रणनीति और तैयारियों में समरूपता बैठाने की कोशिशों के बीच इन विशेषज्ञों की राय रही है कि अब भारत में टू फ्रंट वॉर की बात बेमायने हो गई है। टू फ्रंट वॉर का मतलब एक साथ चीन और पाकिस्तान दोनों के मोर्चों पर युद्ध होने से था। बल्कि अब सूरत यह है कि चीन और पाकिस्तान ने समान मोर्चा बना लिया है। इसलिए जब कभी युद्ध की नौबत आई, तो भारत के सामने कश्मीर से लद्दाख होते हुए अरुणाचल प्रदेश तक एक ही मोर्चा होगा। इस हफ्ते पाकिस्तान के नौ सेनाध्यक्ष की हुई बीजिंग यात्रा से इस आकलन की एक तरह से पुष्टि होती नजर आई है।

वहां चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू ने पाकिस्तान के नौ सेनाध्यक्ष से कहा कि दोनों देशों की नौ सेनाओं सहित तमाम सेनाओं को श्रव्य क्षेत्रों में सहयोग का विस्तारच करना चाहिए, ताकि इस क्षेत्र को सुरक्षित रखनेच की अपनी साझा क्षमता को वे बढ़ा सकें। ली ने कहा कि चीन और पाकिस्तान के द्विपक्षीय रिश्तों में सैन्य संबंध का सबसे प्रमुख स्थान है। उनकी यह टिप्पणी गौरतलब है– श्दोनों देशों की सेनाओं को अपने आदान–प्रदान को नए क्षेत्रों तक बढ़ाना चाहिए। उन्हें सहयोग को एक नई ऊंचाई देनी चाहिए, जिससे तमाम तरह की चुनौतियों और खतरों का मुकाबला करने की उनकी क्षमता बढ़े और वे मिल कर दोनों देशों और इस क्षेत्र में अपने सुरक्षा हितों को बरकरार रख सकें।श्पाकिस्तान के नौ सेनाध्यक्ष अमजद खान नियाजी की इस चीन यात्रा से पहले चीन के सेंट्रल मिलिटरी कमीशन के उपाध्यक्ष झांग यूशिया ने कहा था कि चीनी सेना पाकिस्तान की सेना के साथ अपने संबंध को अधिक गहरा और अधिक विस्तृत करना चाहती है। यह चर्चा भी जोरों पर है कि चीन पाकिस्तान के ग्वादार में बने बंदरगाह पर अपनी सेना तैनात करना चाहता है।

# विनम्रता और विनय माननीय व्यक्तित्व को श्रेष्ठ बनाते हैं



मनुष्य जीवन में सफलता पाने को सदैव प्रयास करता रहता है और यह अत्यंत आवश्यक भी है क्योंकि सफलता और सार्थकता जीवन के पर्याय जो हैं। मनुष्य मूलता लोभी तथा लालची होकर स्वार्थ से ओतप्रोत भी होता है और इसी कारण स्वार्थ के वश में यदि वह कुछ प्राप्त कर लेता है तो उसमें अहंकार की भावना भी आ जाती है। विनम्रता मनुष्य को सामाजिक प्रक्रिया में उसके द्वारा ग्रहण किया गया एक विशेष गुण होता है। मनुष्य जैसे जैसे समाज और संभ्रांत लोगों के संपर्क में आता है उसमें नए गुणों का संचार होता है और अहंकार तथा लालच की भावना का विलोप होता जाता है, समाज में उसकी संरचना को मजबूत करने के लिए सहिष्णुता, सौहाद्र,करुणा और सहयोग की भावना के साथ अन्य सद्गुणों को समाहित कर वह जीवन प्रक्रिया प्रारंभ करता है। मनुष्य की इन्हीं खूबियों के समेकित स्वरूप को विनम्रता तथा सद्गुण के रूप में देखा जाता है। समाज में विनम्र व्यक्ति सदैव अपने व्यवहार के कारण लोकप्रिय, सर्वस्वीकार्य होता है उसकी बातें लोग ध्यान से सुनते भी हैं और उसको यथा योग सम्मान भी दिया जाता है। विनम्रता समाज में स्थापित लोगों द्वारा ग्रहण किया गया एक गुण होता है और यही कारण है कि कुछ व्यक्ति अपनी अज्ञानता के कारण, कुछ ना सीखने की प्रवत्तिवश विनम्रता ग्रहण नहीं कर पाते हैं और कुएं के कूप मंडूक मेंढक की तरह व्यवहार करते हैं, समाज में स्थापित व्यक्ति अपनी विनम्रता का बखान नहीं करते, विनम्रता उनके व्यक्तित्व से झलकती है। ज्ञानी ध्यानी लोग सार्वजनिक प्रशंसा को भी साधारण सी बात समझ कर उसे स्वीकार नहीं करते हैं और अपने ज्ञान और कर्तव्य से अपने व्यक्तित्व को और आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं। दार्शनिक सुकरात का ही उदाहरण लें तो वे हमेशा कहते थे कि मुझे कुछ भी ज्ञान नहीं है यह उनका महान होने का एक साधारण लक्षण था। ऐसा कहा जाता है की ज्ञानी और समश्द्ध व्यक्ति अपने ज्ञान तथा समश्द्धि का दंभ न भर कर उसका समुचित उपयोग समाज और देश के विकास के लिए करते हैं और मनुष्य के जीवन की आधी जंग विनम्रता और ज्ञान की सदाशयता से विजीत की जा सकती है। ज्ञान और नम्रता उपलब्धि सार्वजनिक हित के बिना निरर्थक है। फलों से लगा हुआ पेड़ जिस तरह झुक जाता है उसी तरह महान ज्ञानी व्यक्ति अपनी विनम्रता से और समाज उपयोगी हो जाता है। कुल मिलाकर विनम्रता मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारती है और उसके व्यवहार में चार चांद लगाने का काम भी करती है। इसके विपरीत अज्ञानी व्यक्ति विचारों की स्वीकार्यता नगण्य होती है वह कुछ सीखता नहीं चाहता और समाज में तिरस्कार खेलने का प्रमुख अवयव बन जाता है। विनम्रता को आत्मसात करने वाला व्यक्ति नए नए विचारों का स्वागत कर उसे सीखने का प्रयास करता है परिणाम स्वरूप उसके आचार व्यवहार में निखार आने लगता है। भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम की विनम्रता ने उन्हें देश में सर्वोपरि व्यक्ति बनाया था। और आपको यह बता दें कि ज्ञान प्राप्त करने वाला व्यक्ति केवल सूचनाओं का भंडार ही नहीं होता बल्कि वह विनयशील भी हो जाता है और उसकी यह विनय शीलता उसे समाज में प्रमुख स्थान दिलवाती है। मनुष्य के जीवन में आती कठिनाइयों तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य की विनम्रता, साहस, उच्च मनोबल और विनय शीलता हमेशा विजयी बनाती है। विनम्रता मनुष्य में किसी भी पद के लिए स्वीकार्यता प्राप्त करने की ऊर्जा शक्ति प्रदान करती है, वह उच्च पद को प्राप्त भी कर लेता है वह समाज में योग्यता हेतु एक स्वीकार्य व्यक्तित्व बन जाता है और लोग उसका अनुकरण अनुसरण करते हैं। विनयशीलता एवं विनम्रता ही व्यक्तित्व को बहुत ऊंचा और ऊंचा करने में सहायक है, विनम्रता से यह बात तो निश्चित है की अहंकार और घमंड बहुत दूर हो जाते हैं और व्यक्ति सरल सीधा और ज्ञान की पराकाष्ठा को प्राप्त कर लेता है, ज्ञानी व्यक्ति समाज में सदैव पूजनीय होते हैं। ज्ञानी और विनम्र व्यक्ति सदैव आत्म संतुष्टि को प्राप्त करता है। विनम्रता मनुष्य के जीवन में उसे सदैव अग्रसर होने के लिए प्रेरित करती है और वह्यान के प्रति उसकी आकांक्षा प्रबल होती रहती है। यह तो सर्वविदित है कि ज्ञान प्राप्त करने के लिए उम्र कभी बाधा नहीं रही है। ऐसा समाज में अक्सर देखा गया है कि विनम्रता से ओतप्रोत व्यक्तित्व नेतृत्व करने की क्षमता वाला होता है और अपने विचार सुविचार को समाज में जनमानस को जबरिया थोपने की बजाए उन्हें अपने सुझाव से युक्त कर समस्याओं से जूझने के लिए परिपक्व एवं मजबूत बनाता है। महात्मा गांधी जी ने स्वतंत्रता के आंदोलन में सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए जनमानस के साथ इसी अस्त्र को लेकर देश की स्वतंत्रता प्राप्त की थी। यह भी सत्य है की सत्य अहिंसा विनम्र तथा विनय शील व्यक्ति के बड़े ही प्रभावी तथा महत्वपूर्ण गुण तथा अंग होते हैं। विनम्र और विनय शील व्यक्ति के साथ व्यक्तित्व को लेकर कोई भ्रम अशांति अथवा संशय नहीं रहता है क्योंकि उनके साथ ना किसी की प्रति श्रद्धा न द्वेष ना ईर्ष्या ही होती है, वह इन सब से दूर रहकर समाज तथा देश के विकास के चिंतन में लगे होते हैं, विनम्रता को कमजोरी समझने का मुगालता नहीं पालना चाहिए क्योंकि विनम्र व्यक्ति कुछ क्षण के लिए कमजोर जरूर हो सकता है पर उसकी मानसिक दृढ़ता और मनोबल के कारण वह व्यापक और कठोर निर्णय लेकर बड़े से बड़े अवरोध को अपने तथा समाज के लिए दूर कर सकता है यही कारण है कि गांधी जी ने विनम्रता सत्य अहिंसा के साथ अंग्रेजों को देश से भगा कर देश को स्वतंत्रता दिलवाई थी। यह भारतीय संस्कृति तथा भारतीय जनमानस की सहिष्णुता और विनम्रता ही है जिसके फलस्वरूप वह हजारों वर्ष से निरंतर नश्वर बनी हुई है। अहंकार ,घमंड, अस्थाई क्षणभंगुर होते हैं और विनम्रता विनय शीलता जीवन में आने वाले विघ्न खुद–ब–खुद खत्म हो जाते हैं। किसी भी राष्ट्र संस्कृति और समाज को शाश्वत स्थापित रहने के लिए उसे विनम्र ,सहिष्णु और सदाशयी होने की आवश्यकता होती है। कुल मिलाकर व्यक्तित्व समाज तथा देश के लिए विनम्रता सहिष्णुता सदैव महान अवयव होते हैं।—संजीव ठाकुर

# आज का राशिफल

**मेष :–** समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

**वृषभ :–** हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

**मिथुन :–** निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छवि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

**कर्क :–** भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

**सिंह :–** पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

**कन्या :–** परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

**तुला :–** कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

**वृश्चिक :–** स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

**धनु :–** किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के बावजूद परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

**मकर :–** बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

**कुंभ :–** शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

**मीन :–** महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

# कर्नाटक का ताज किसके सिर?



कर्नाटक में शानदार चुनावी जीत के बाद कांग्रेस पार्टी को अब राज्य में नये मुख्यमंत्री के नाम का चयन करना है। यह कार्य इतना सरल दिखाई नहीं दे रहा है क्योंकि राज्य से भाजपा का तख्तापलट करने में जिन दो प्रादेशिक नेताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है उनमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री डी.के. शिवकुमार व पूर्व मुख्यमन्त्री श्री सिद्धारमैया के नाम सबसे ऊपर माने जा रहे हैं। चुनावी जीत में पार्टी संगठन से लेकर लोकप्रिय नेतृत्व की भूमिका ही प्रमुख रहता है। इस लिहाज से देखा जाये तो श्री शिवकुमार व सिद्धारमैया दोनों की ही मुख्यमन्त्री पद के लिए की जा रही दावेदारी में कोई गलत बात नहीं है। मगर इन्हीं दोनों ने राज्य में मतदान होने से पहले ही साफ कर दिया था कि वे चुनाव में कांग्रेस के विजयी होने की स्थिति में मुख्यमन्त्री बनना चाहेंगे। अतः इस विषय से कांग्रेस आलाकमान पहले से ही परिचित था। इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि पार्टी आलाकमान ने इस पहेली को सुलझाने के लिए भी कोई फार्मूला पहले से ही तैयार कर रखा होगा। राज्य के चुनावी वातावरण को देखकर प्रत्येक चुनावी विशेषज्ञ पहले से ही यह अनुमान लगा चुका था कि इस बार राज्य की जनता सत्ता पलट करने जा रही है, इसलिए इसका अनुमान आलाकमान को न हो ऐसा नहीं माना जा सकता। इसकी एक वजह और भी है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे स्वयं कर्नाटक के हैं और प्रदेश की राजनीति करने का अनुभव उन्हें 40 साल से भी अधिक का रहा है। अतः वह बैंगलुरू की मिट्टी सूंघ कर ही बता सकते थे कि चुनाव में हवा किस तरफ बहेगी। वह इतने अनुभवी राजनीतिज्ञ माने जाते हैं कि कर्नाटक की जनता के मन की इच्छा का अनुमान भी भलीभांति लगा सकते हैं और अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की हसरतों का भी। श्री खड़गे जानते हैं कि राज्य में आज के समय में श्री सिद्धारमैया से बड़ा लोकप्रिय नेता कोई नहीं है। राजनीति के दांव–पेंचों में भी उनसे बड़ा खिलाड़ी कोई दूसरा नहीं माना जाता है। बेशक डी.के. शिवकुमार वर्तमान दौर की 'जमा–जोड़' राजनीति के दांव–पेंचों को जमाने में सिद्धहस्त माने जाते हों, आम जनता के बीच समग्र रूप में स्वीकार्य श्री सिद्धारमैया ही माने जाते हैं। उनका समाज के सभी सम्प्रदायों व वर्गों में एक समान रूप से सम्मान है और उनकी राजनैतिक चादर पर कोई दाग भी नहीं है। गौर से देखा जाये तो वह जमीनी नेता माने जाते हैं। कांग्रेस को आज के दौर में ऐसे नेताओं की सख्त जरूरत है जिनकी जमीनी राजनीति पर गहरी पकड़ हो। जहां तक श्री शिवकुमार का सम्बन्ध है तो वह भी पार्टी के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि संगठन को सत्ता में रहते हुए भी लगातार जीवन्त बनाये रखने की जिम्मेदारी भी कोई छोटी जिम्मेदारी नहीं होती। कांग्रेस ने राज्य में ऐतिहासिक चुनावी सफलता प्राप्त की है और 1989 के बाद से अब तक का सबसे बड़ा जनसमर्थन 43 प्रतिशत मतों से अधिक का प्राप्त किया है। यह मत प्रतिशत भाजपा द्वारा प्राप्त 36 प्रतिशत मतों से सात प्रतिशत अधिक है। जाहिर है कि राज्य के लोगों के सामने 2013 से 2018 तक श्री सिद्धारमैया के नेतृत्व में चली कांग्रेस सरकार का उदाहरण भी सामने देखा था जिसे देख कर उन्होंने 2019 से 2023 तक चली भाजपा सरकारों की तुलना की होगी। अतः श्री सिद्धारमैया कर्नाटक की जनता के दिमाग में वोट डालते समय कहीं न कहीं जरूर रहे होंगे। उनकी सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचार मुक्त थी और खुद उनका जीवन एक खुली किताब थी। कांग्रेस ने यह चुनाव अमीर–गरीब का विमर्श खड़ा करके जीता है और जनता के समक्ष संशोधनवादी समाजवाद की वे नीतियां खड़ा करके जीता है जिन्हें लोक कल्याणकारी राज का अंग माना जाता है। इस परिभाषा में सिद्धारमैया स्वतः समाते नजर आते हैं। फिर भी मुख्यमन्त्री चुने जाने की संसदीय लोकतन्त्र में एक प्रणाली होती है जिसमें चुने हुए विधायकों की राय से ही उनका नेता चुना जाता है और फिर वही मुख्यमन्त्री की कुर्सी पर बैठता है। कांग्रेस पार्टी के भीतर लोकतान्त्रिक परंपराएं बहुत पुरानी हैं और यह उन्हीं पर आज भी चलना पसन्द करती है क्योंकि स्व. इंदिरा गांधी के कांग्रेस दौर में यह देख चुकी है कि मुख्यमन्त्री बिना विधायकों की मर्जी जाने बिना 'नियुक्त' करने का क्या हश्र होता है। अतः कांग्रेस विधायक दल की बैठक में इसके नेता का चयन करने के बाद ही नये मुख्यमन्त्री की घोषणा करेंगी और इसमें एक–दो दिन का समय लगना स्वाभाविक माना जा रहा है।

# मणिपुर में आग??

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर अचानक जल उठा है। एक आदिवासी समुदाय दूसरे अन्तर्जातीय वर्ग को मारने–काटने पर आमादा है। मैतेई और कुकी, नगा समुदाय सनातन दुश्मन रहे हैं, जबकि वे मणिपुर के ही निवासी और नागरिक हैं। हालात इतने उबल चुके थे कि करीब 9000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर या शिविरों में भेजना पड़ा। कर्फ्यू लगा है, धारा 144 लागू है और इंटरनेट–मोबाइल बेमियादी तौर पर बंद हैं। सेना, असम राइफल्स और स्थानीय पुलिस के हजारों जवान तैनात किए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रक्षा मंत्रालय को पत्र लिख कर वायुसेना की सेवाएं मांगी हैं, ताकि विभिन्न केंद्रों से अर्द्धसैन्य बलों के जवानों को एयरलिफ्ट कर मणिपुर के जलते – उबलते जिलों तक पहुंचाया जा सके। सबसे महत्वपूर्ण और गंभीर घोषणा राज्यपाल ने की है कि दंगाइयों को देखते ही गोली मार दी जाए।. यह बेहद असामान्य स्थिति है। मणिपुर निवासी, छह बार की विश्व चैम्पियन मुक्केबाज एवं राज्यसभा सांसद मैरी कॉम को, सोशल मीडिया के जरिए, प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को गुहार लगानी पड़ी है कि मेरा राज्य मणिपुर जल रहा है। कृपा करके इसे बचा लें और शांति बहाल करें।? संवेदनशील और चिंतित पक्ष यह है कि मणिपुर से म्यांमार की सरहद लगती है और वहां भी हालात बेहद हिंसक हैं। हालात आग में घी का काम कर सकते हैं। दरअसल मणिपुर उच्च न्यायालय ने हाल ही में निर्देशात्मक निर्णय सुनाया था कि राज्य सरकार मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने पर विचार करे और भारत सरकार को अनुशंसा भी भेजे। यदि ऐसा कोई निर्णय करना है और जनजाति में किसी समुदाय को शामिल करना है, तो राष्ट्रीय आयोग और केंद्रीय कैबिनेट ही फैसला ले सकते हैं। मामला संसद में भी विचारार्थ रखा जा सकता है। अन्य आदिवासी समुदायों ने उच्च न्यायालय के फैसले का विरोध किया है, नतीजतन मणिपुर एकदम धू–धू कर जलने लगा है। आंदोलित आदिवासियों की आशंका है कि मैतेई उनके अधिकारों, आरक्षण, भूमि और संसाधनों पर कब्जा कर सकते हैं, क्योंकि वे अपेक्षाकृत सम्पन्न, विकसित और ताकतवर हैं। राज्य की करीब 38 लाख आबादी में करीब 53 फीसदी मैतेई हैं। इंफाल घाटी मैतेई बहुल है। हालांकि मैतेई राज्य के 10 फीसदी भू–भाग में ही बसे हैं। नगा, कुकी आदिवासी समुदाय शेष 90 फीसदी क्षेत्रफल में रहते हैं, लेकिन उनकी आबादी कम है। बीते साल अगस्त में मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह की सरकार ने नगा और कुकी जनजाति को श्घुसपैठियाश करार देते हुए राज्य के वन क्षेत्र से निकालने के आदेश दिए थे। नगा, कुकी नाराज और आन्दोलित थे। मैतेई बुनियादी तौर पर हिन्दू हैं, जबकि अधिकांश नगा और कुकी ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। मैतेई अपना पक्ष रखते आए हैं कि भारत में ब्रिटिश हुकूमत के दौरान उन्हें मुख्य आदिवासी समुदाय माना जाता था। उन्हें शेड्यूल आदिवासीश भी माना गया, लेकिन 1949 में भारतीय संघ में मणिपुर का विलय हुआ और 1950 में मैतेई अपनी ऐतिहासिक पहचान, संस्कृति, भाषा की रक्षा करने के मद्देनजर एसटी का दर्जा मांग रहे हैं।

# कर्नाटक से कांग्रेस के लिए सबक



कांग्रेस खुश है। पार्टी कार्यकर्ताओं के हौसले बुलंद हैं। भावी जीत के सपने देखने शुरु हो चुके हैं और 2024 में राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे, ऐसे बयान भी आने लगे हैं। चुनाव दर चुनाव हारने के बाद कांग्रेस में निराशा छाने लगी थी। उसके कई बड़े–छोटे नेता पार्टी छोड़कर वैसे ही चले गए, जैसे डूबते जहाज से चूहे निकल कर भागते हैं। सत्ता सुख और पद की लालसा में बहुत से नेताओं ने भाजपा के भगवा गमछे को ओढ़ लिया। ऐसे ही नेताओं के कारण आज की राजनीति में विचारधारा अप्रासंगिक बना दी गई है। लेकिन कर्नाटक चुनाव में जनता ने साबित कर दिया कि लोकतंत्र में विचारधारा की कितनी प्रासंगिकता और महत्व है। भाजपा ने हिजाब विवाद, हलाल, बीफ पर प्रतिबंध को पहले मुद्दा बनाया, जो चुनाव के आखिर तक बजरंग बली की जय तक पहुंच गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सारी मर्यादा तक पर रखते हुए लोगों से बजरंग बली की जय बोल कर वोट देने कहा, और चुनाव आयोग को इसमें कुछ गलत भी नहीं दिखा। बजरंग बली की जय के जवाब में अगर दूसरे धार्मिक नारों को उछाला जाता तो क्या हालात नहीं बिगड़ते। गनीमत रही कि ऐसा कुछ नहीं हुआ। भाजपा नेताओं की कामियों और घुड़कियों के बावजूद कर्नाटक में माहौल शांत और सद्भावपूर्ण है। केरल स्टोरी का जवाब कर्नाटक स्टोरी के रूप में देश के सामने आ चुका है कि नफरत और झूठ का कारोबार अधिक वक्त तक नहीं चल सकता। नफरती कारोबार के शेयर पिछले 9 सालों में देश में खूब बढ़े हैं, लेकिन राहुल गांधी ने इस दुकान के शटर गिराने में काफी हद तक सफलता प्राप्त कर ली है। कर्नाटक चुनाव में जीत का सेहरा कांग्रेस की प्रदेश इकाई, स्थानीय कार्यकर्ताओं, नेताओं और केंद्रीय नेतृत्व को जाता है। लेकिन राहुल गांधी इस जीत की भूमिका अक्टूबर 2022 में ही बांध चुके थे, जब भारत जोड़ो यात्रा लेकर वे इस राज्य में पहुंचे थे और करीब 21 दिनों में 7 जिलों से होते हुए 5 सौ किमी का सफर किया था। अब कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने खुलासा किया है कि जिन जिलों से श्री गांधी की यात्रा गुजरी उन जिलों की 15 सीटें कांग्रेस ने जीती हैं। जबकि पिछली बार यानी 2018 में कांग्रेस के पास इन जिलों की केवल 5 सीटें थीं। कांग्रेस की इस जीत का श्रेय निर्विवाद तौर पर राहुल गांधी को जाता है। क्योंकि उन्होंने जनता के बीच जाकर पार्टी की पकड़ मजबूत की। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी ने कोई जुमलेबाजी नहीं की, हवा–हवाई दावे नहीं किए। लोगों के बीच, उन्हीं के अपने बन कर रहे। उनकी समस्याओं और दुखों को साझा किया। गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई ये तो आम समस्याएं हैं, जो सभी को नजर आती हैं। राहुल गांधी ने इससे आगे बढ़कर महिलाओं के संघर्षों को समझा, सुरक्षा बलों में शामिल जवानों के परिजनों की पीड़ा को महसूस किया, युवाओं की कुंठा को अभिव्यक्त होने दिया। यानी हर तरह से राहुल गांधी आम लोगों से जुड़ते रहे और उसी का प्रतिफल कर्नाटक चुनाव की जीत में नजर आता है। राहुल गांधी के करन जगह–जगह पर कांग्रेस के बड़े नेता भी जमीन पर उतरे और लोगों के बीच गए। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में कांग्रेस जब अपने स्तर पर संघर्ष कर रही थी, तो गांधीजी ने इस बात को पहचाना था कि कांग्रेस का अभिजात्य चोला उसे आम जनता से जोड़ नहीं पाता है, ऐसे में ब्रिटिश शासन के खिलाफ हर लड़ाई अधूरी और अनिर्णायक रहेगी। तब गांधीजी ने अपने प्रयासों से कांग्रेस को आम लोगों से जोड़ा और अपनी लड़ाई में महिलाओं को भी प्रथम पंक्ति में लिया। अब यही काम राहुल गांधी ने किया है। 10 साल के यूपीए शासनकाल में कांग्रेस और आम जनता के बीच दूरी आ गई थी, जिसका फायदा भाजपा ने उठाया और खाली स्थान को अपनी सत्ता बनाने में इस्तेमाल किया। यूपीए शासन के दौरान मनरेगा, मध्याह्न भोजन, सूचना का अधिकार जैसी कई जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू किया गया, इसके बावजूद जनता के बीच कांग्रेस की पैठ कम होती गई। क्योंकि कई कांग्रेस नेताओं पर सत्ता का दंभ चढ़ गया था। जिसकी वजह से वे जनता से कटते गए। इसका नुकसान सबसे अधिक 2014 में हुआ, जब कांग्रेस अपने अच्छे कामों के बावजूद जनता के बीच विश्वसनीयता कायम नहीं रख पाई। भाजपा झूठे वादों, जुमलेबाजी, हिंदुत्व, राष्ट्रवाद के उन्माद और मीडिया की मदद से सत्ता पर आ गई, इसके बाद कई चुनावों में कांग्रेस की हार हुई। कहीं हार नहीं भी हुई, तो बड़ी पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस ढीले–ढाले रवैये के कारण सत्ता बनाने से चूक गई। गोवा इसका बड़ा प्रमाण है। कर्नाटक चुनाव और उससे पहले हिमाचल प्रदेश के चुनाव में कांग्रेस ने ऐसी कोई गलती नहीं की। प्रियंका गांधी ने दोनों राज्यों में प्रचार में सक्रिय भूमिका निभाई, इसके अलावा स्थानीय नेताओं को साथ लेकर पार्टी ने काम किया। लोगों की जरूरतों को पहचान कर उस हिसाब से चुनावी रणनीति बनाई और इसका लाभ कांग्रेस को मिला। अब जल्द ही मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव हैं, फिर अगले साल कुछ और विधानसभा चुनाव होने हैं। इन सबमें कांग्रेस को ऐसी ही मेहनत, रणनीति और जनता से जुड़ाव की जरूरत होगी। एक–दो जीत के कारण अगर पार्टी नेताओं पर गुरूर चढ़ा कि हमने तो भाजपा का किला ढरका दिया या मोदी लहर को रोक दिया, तो कांग्रेस को इसका नुकसान भी हो सकता है। वैसे भी विधानसभा चुनावों का असर लोकसभा चुनाव पर पड़े, यह जरूरी नहीं है। 2018 में हिंदी पट्टी के तीन राज्य जीतने के बावजूद कांग्रेस 2019 के आम चुनाव नहीं जीत पाई थी। सफलता तो तभी मिलेगी, जब नगरीय निकायों से लेकर, विधानसभा और आम चुनाव तक हर मुकाबले को पूरी शिद्दत से लड़ा जाए, जीतने की सारी कोशिश की जाए। कर्नाटक में इसी जज्बे ने कांग्रेस को जीत दिलाई, यह जज्बा अब आगे बरकरार रहना चाहिए।

# जीएसटी सर्वे से व्यापारियों को डरने की आवश्यकता नहीं : अमरनाथ मिश्र

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**लखनऊ।** राजधानी में जीएसटी सर्वे के विरोध में सोमवार को व्यापारियों ने एक होटल में बैठक आयोजित कर विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें 16 से यानी आज से जीएसटी डोर टू डोर सर्वे छापेमारी चलने वाले अभियान को लेकर अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने अपने बयान में बताया कि इसके लिए उच्चाधिकारियों से वार्ता की गई है। जिसमें सर्कुलर का उल्लेख किया गया कि सर्वे डोर टू डोर नहीं किए जाएंगे जो संदिग्ध फर्मों की सूची दिल्ली से प्राप्त हुई है,उन्हीं फर्मों की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि इनकी संख्या बहुत ही कम है लगभग 4 से 5 फीसदी ही व्यापारी संदिग्ध के दायरे में हैं। उन्होंने कहा कि जो सोशल मीडिया पर भ्रामक रूप में सूचना प्रसारित की जा रही है इससे सभी व्यापारियों को डरने की आवश्यकता नहीं है। श्री मिश्र ने कहा कि यदि डोर टू डोर सर्वे छापे अधिकारियों के द्वारा किए जाते हैं तो व्यापार मंडल पूर्व की भांति डटकर इसका विरोध करेगा। वहीं महामंत्री विनोद अग्रवाल ने कहा कि यदि बाजार

में सर्वे करने अधिकारी आते हैं तो दूसरे व्यापारियों का भी कहीं न कहीं उत्पीड़न करने लगते हैं। जिस पर अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने बताया कि जिस बाजार में वह सर्वे करने आए तत्काल व्यापारी व्यापार मंडल को सूचित करें और हमारी टीम व्यापारी के साथ खड़ी होगी व्यापारी का उत्पीड़न किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । यदि सर्वे छापे की टीम व्यापारी का उत्पीड़न करती है तो लखनऊ व्यापार मंडल सड़क पर उतर कर आंदोलन करेगा। सभी पदाधिकारियों ने सयुंक्त रूप से कहा कि यदि आपके क्षेत्र में किसी भी व्यापारी के यहां सर्वे करने आए तो उस बाजार के अध्यक्ष महामंत्री के साथ उपस्थित रहे ताकि व्यापारी का उत्पीड़न अधिकारियों द्वारा न किया जा सके। बैठक में मुख्य रूप से चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल,अनिल बरवानी,अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र,वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा,कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता,महामंत्री विनोद अग्रवाल,अनुराग मिश्र,उमेश शर्मा,सुहेल हैदर अली,जितेंद्र सिंह चौहान समेत कोर कमेटी के सदस्य मौके पर उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त खबरे

### ट्रैक्टर ट्रॉली की जद में आई मोटरसाइकल,दो की मौत

**बिलग्राम,हरदोई।** क्षेत्र के रहुला मार्ग निकट सुनार वाली बगिया के पास तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर ट्राली की जद में एक मोटरसाइकल आ गयी,जिससे उस पर सवार दो लोग घायल हो गए। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक सवार जगदीश 38 वर्ष पुत्र हरिचरण विजय पुत्र शंभू 16 वर्ष निवासी ग्राम गनीपुर बिलग्राम से घर जा रहे थे जब वो सुनारवाली बगिया के पास पहुंचे तो रहुला की ओर से आ रहे ट्रेक्टर ट्राली से मोटर साइकिल भिड़ गयी जिसमें दोनों बाइक सवार गंभीर रुप से घायल हो गए हालांकि ट्रेक्टर चालक ने बचाने का प्रयास किया। लोगों के मुताबिक, ट्रेक्टर चालक ने अपनी गाड़ी को खंती में उतार दिया लेकिन बावजूद इसके मोटरसाइकल को जद में आने से बचा न सका और मोटर साइकिल सवार घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने आनन–फानन में घायलों को उपचार के लिए सीएचसी बिलग्राम में भर्ती कराया जहां पर इलाज के दौरान बाइक सवार दोनो की मौत हो गई।

### संदिग्ध परिस्थितियों में रेलवे ट्रैक पर मिला ट्रक चालक का शव

**अयोध्या।** कोतवाली बीकापुर क्षेत्र अन्तर्गत देवापुर गांव के पास अयोध्या–प्रयागराज रेलखंड पर ट्रक चालक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया है। शव के पास से शराब के पाऊच मिले हैं। शव पर रगड़ के निशान और सर पर चोट पाई गई है। प्रथम दृष्ट्या हत्या की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान कोतवाली क्षेत्र के रूपीपुर गोविंदपुर निवासी मनजीत पुत्र दीनानाथ के रूप में हुई है। कोतवाल राजेश राय ने बताया सिर पर चोट व शरीर में रगड़ के निशान पाए गए हैं। शव के पास से शराब की दो पाउच, बिसलेरी की बोतल, एक प्लास्टिक के गिलास व साइकिल मिली है। उन्होंने बताया कि परिवार के अनुसार मनजीत 14 मई की शाम लगभग 7रू30 बजे घर से निकला था। बताया जाता है कि घर में एक लड़की की सगाई थी। हालांकि पुलिस अभी इसकी पुष्टि नहीं कर रही है। कोतवाल ने बताया कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

### युवती के साथ छेड़खानी व दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

**अयोध्या।** थाना महाराजगंज अंतर्गत पुलिस चौकी पूरा बाजार की पुलिस टीम ने सरायराशी के पास से एक युवक को गिरफ्तार किया है थाना अध्यक्ष महाराजगंज अनुपम मिश्र ने बताया कि पीड़ित लड़की के परिवार वालों ने नामजद तहरीर पर दिया था जिसके आधार पर रमेश कुमार यादव पुत्र बंसराज यादव उर्फ झिन्नू मूलनिवासी माझा पिपरी संग्राम थाना महाराजगंज अयोध्या वर्तमान पता ग्राम पुरे पहलवान बैसिंह थाना पूरा कलंदर निवासी रमेश कुमार यादव के खिलाफ 11 मार्च 2023 को धारा 376 ,313 ,354 ,504 ,506 वा5 ६ 6 पास्को एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर तलाश की जा रही थी चौकी प्रभारी पूरा बाजार रामप्रकाश मिश्रा हेड कांस्टेबल करुनानिधि सिंहन कांस्टेबल मनदीप चौधरी कांस्टेबल अनुपम सिंह गश्त पर थे कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर रमेश कुमार यादव पुत्र बंसराज यादव 24 वर्ष को सराय राशी के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

### तीसरी बार सभासद निर्वाचित हुए पिंकू गुप्ता

**सीतापुर।** नगर पालिका परिषद सीतापुर के वार्ड संख्या 16 तरीनपुर से भाजपा प्रत्याशी राकेश गुप्ता 'पिंकू' ने वार्ड सभासद के पद पर जीत दर्ज करने में सफलता हासिल की है। पिंकू तीसरी बार सभासद निर्वाचित हुए हैं। इसके अलावा पिंकू गुप्ता के नाम एक अनोखा रिकॉर्ड भी दर्ज है। पिंकू गुप्ता इस निकाय के ऐसे सभासद हैं, जो दो अलग–अलग वार्डों से चुनाव जीतने में सफल रहे हैं। वार्ड संख्या 16 के सभासद पद के चुनाव में तीन मीडिया कर्मियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। इस बार के चुनाव में पिंकू ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी व निर्दलीय प्रत्याशी कामिल को 400 से अधिक मतों से शिकस्त दी है। इस बार के चुनावी समर में कुल सात प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। जिसमें से वरिष्ठ पत्रकार राजीव गुप्ता 'तेजू' के परिवारीजन एवं भाजपा प्रत्याशी राकेश गुप्ता 'पिंकू' ने 1032 मत हासिल किए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी व निर्दलीय प्रत्याशी कामिल को 631 मत ही मिल सके। इसके अलावा निर्दलीय प्रत्याशी विश्वनाथ को 528, पत्रकार संदीप श्रीवास्तव के भाई एवं निर्दलीय प्रत्याशी आलोक श्रीवास्तव को 326, फोटो जर्नलिस्ट योगेश श्रीवास्तव के भाई एवं निर्दलीय प्रत्याशी शुभाशीष श्रीवास्तव गुल्लू को 66, नितिन जौहरी को 33 और नीतू पाल को महज सात मतों से ही संतोष करना पड़ा। सनद रहे कि वार्ड संख्या 16 के मूल निवासी पिंकू गुप्ता पूर्व में इस वार्ड के अलावा वार्ड संख्या 13 ऊंचा टीला से भी सभासद रह चुके हैं।

### पत्नी से छेड़छाड़ का विरोध करने पर बड़े भाई ने छोटे को छत से फेंका

**कानपुर।** शहर के बिठूर थाना क्षेत्र में युवक ने भाई को घर की छत से नीचे फेंक दिया। छोटे भाई ने आरोप लगाया है कि पत्नी से बड़ा भाई छेड़छाड़ करता है। इसका विरोध करने पर पहले मारपीट की और उसे छत से फेंक दिया। पीड़ित युवक कमिश्नर ऑफिस पहुंचा और पुलिस कमिश्नर से कार्रवाई की मांग की। घायल सुरेश को गोद में लेकर उसके घर वाले और उसकी पत्नी पुलिस कमिश्नर ऑफिस पहुंचे। बिठूर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक घायल अवस्था में परिवार और पत्नी के साथ पुलिस ऑफिस पहुंचा। छत से नीचे गिरने से घायल युवक पैरों से चलने में लाचार हो गया है और उसके जबड़े में भी चोट आई है। उसने आरोप लगाया की बड़ा भाई मेरी पत्नी से छेड़खानी करता है। रविवार को भी बड़े भाई ने पत्नी से छेड़खानी की। जिसके बाद दोनों में झगड़ा होने लगा। बड़े भाई और दो भतीजों ने मिलकर छोटे भाई की पहले तो पिटाई कर दी। इसके बाद घर की छत से सुरेश को नीचे फेंक दिया। जिससे उसके पैर और मुंह में गंभीर चोटें आई हैं। घायल युवक और उसकी पत्नी सोमवार को पुलिस कमिश्नर ऑफिस पहुंचे।

## प्रमुख किराना व्यवसाई से हजारों की लूट

**हरगांव (सीतापुर)।** बीते दिवस प्रमुख किराना व्यवसाई देर रात दुकान बंद करके अपने गांव घर जा रहे थे। रास्ते में पहले से घात लगाए सशक्त लुटेरों ने उनकी कार रोककर एक विशेष रकम की मांग करते हुए उन्हें उनकी व उनके पुत्र की जमकर पिटाई कर दी। रकम ना मिलने पर जो भी तथा अल्टो गाड़ी के शीशे तोड़ फोड़ फरार हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरगांव मुख्य चौराहे पर वीरेंद्र सन ऑफ जमुना प्रसाद मिश्र निवासी दौलतपुर की बड़ी दुकान जो शाम दुकान बंद करके घर वापस जा रहे थे। व्यवसाई हमेशा जंजीर वा सोने की अंगूठी भी पहने रहते थे। इत्तेफाकन उस दिन नहीं पहने थे। इन्हीं बातों से आक्रोशित होकर बदमाशों ने 25–30 हजार की नकदी लूट कर फरार हो गये। बाद में व्यवसाई को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पुलिस थाना से जिले के आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर शीघ्र बदमाशों को पकड़ने की हिदायत दी गई। वहीं पेपर अघोरी के निकट अपने गांव 2 किलोमीटर पहले घात लगाए असलहाधारियों ने गाड़ी के शीशे तोड़ते हुए उनको काफी मारा पीटा तथा 80,000 रू0 की मुखबरी होने के चलते उन पैसों की मांग की गयी।

# तिकोनिया पार्क में भाकपा का धरना प्रदर्शन

- सरकार जनता के सवालों को हल कर पाने में विफल : अशोक तिवारी
- जनता की समस्याओं को लेकर भाकपा ने दिया धरना

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**अयोध्या।** भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा जनता के ज्वलंत मुद्दों को लेकर जिले के विभिन्न हिस्सों में चलाए गए जन अभियान के समापन पर आज बुधवार को जिला मुख्यालय तहसील सदर पर धरना प्रदर्शन किया जिसकी अध्यक्षता राम तीर्थ पाठक तथा संचालन जिला सचिव अशोक कुमार तिवारी ने किया।

धरने को सम्बोधित करते हुए जिला सचिव अशोक कुमार तिवारी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की सरकार जनता के सवालों को हल कर पाने में पूरी तरह से विफल हो गई है। मंहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, देश में लगातार बढ़ते संकट ने सरकार के विकास के दावे की हवा निकाल दी है। एक तरफ किसान बढ़ते कृषि लागत से तबाह होता जा रहा है दूसरी तरफ जीएसटी के आतंक और व्यापारियों के दुकानों पर चलते बुल्डोजर भाजपा सरकार की असल चरित्र को उजागर कर दिया है। धरने को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार ने सामाजिक तानेबाने को छिन्न भिन्न कर दिया है। लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करके आम जनता

के हक अधिकार पर सीधा हमला किया जा रहा है। देश के संघीय ढांचे को राज्यपालों के माध्यम से कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। धरने के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन मजिस्ट्रेट को सौंपा गया जिसमें प्रमुख रूप से अतिवृष्टि अथवा सूखे से प्रभावित किसानों को 2000 प्रति एकड़ की दर से मुआवजा देने, किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने, कालाबाजारी पर रोक एवं खाद की बढ़ी दरों को वापस लिए जाने, गरीबों और किसानों को मुफ्त बिजली देने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, मनरेगा का बजट बढ़ाये जाने आवारा पशुओं से फसलों की रक्षा , स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त करने एवं महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपी भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने सहित 21 सूत्रीय मांगें शामिल हैं। ध ारने को रामजी राम यादव , अयोध्या प्रसाद तिवारी, उदय चन्द यादव, ओम प्रकाश यादव,मो0 मुजीब, अवधराम यादव, दीपक वर्मा ,आदि ने सम्बोधित किया। धरने में भारी संख्या में लोग शामिल रहे।

# सपा के नवनिर्वाचित पार्षदों का स्वागत

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**अयोध्या।** समाजवादी पार्टी महानगर कमेटी ने अयोध्या नगर निगम में सपा के जीते हुए नवनिर्वाचित पार्षदों का पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर भव्य स्वागत किया जिसकी अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व संचालन महासचिव हामिद जाफर मीसम ने किया महानगर प्रवक्ता एडवोकेट राकेश यादव ने बताया स्वागत समारोह में मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव मौजूद रहे। इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन,दादा जय शंकर पांडे मेयर प्रत्याशी डॉ आशीष पांडे दीपू ने सभी नवनिर्वाचित पार्षदों लक्ष्मण घाट से प्रिया शुक्ला, अश्वनी पुरम –जगत नारायण यादव, हनुमंत नगर –मोहम्मद राशिद सलीम घोसी, सुभाष चंद्र बोस – अर्जुन यादव सोमू, साकेत नगर – कौसर पत्नी मंसूर अहमद, कौशलपुरी– धर्मवीर, अशफाक उल्ला खा– अखिलेश पांडे, परमहंस रामचंद्र दास– कृष्ण गोपाल यादव, चौधरी चरण सिंह – मुकेश कुमार कोरी , पुरुषोत्तम नगर – श्रीमती ज्ञानमती, बड़ी देवकाली – सर्वजीत यादव, लक्ष्मी सागर नगर –

वकार अहमद, चंद्रशेखर नगर – विशाल पाल, अग्रसेन नगर– श्रीमती शाहनूर बानू, राम मनोहर लोहिया – राम भवन यादव, सरदार पटेल– श्रीमती इंदिरा वती यादव,दशरथ कुंडश्रीमती ज्ञानमती यादव का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे ने सभी नवनिर्वाचित पार्षदों को बधाई और शुभकामना देते हैं कहां सभी पार्षद अपने–अपने क्षेत्रों मे अपने वार्ड वासियों से मिलकर उनका धन्यवाद करते हुए किए गए वादों को पूरा करने का काम करें जिससे अयोधया का पूर्ण रूप से विकास हो सके जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने सभी पार्षदों को बधाई देते हुए उनको जनहित के मुद्दे को उठाने के लिए कहा इस मौके पर डॉ आशीष पांडे दीपू ने सभी को बधाई देते हुए कहा हम जनता के बीच में जाएंगे और आप लोगों के साथ उनकी समस्याओं और नगर निगम के विकास के लिए जो भी कार्य होगा उसे आप लोगों के साथ मिलकर करने का प्रयास करेंगे महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने स्वागत समारोह में आए हुए सभी पार्षदों को धन्यवाद देते हुए जनता के मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने एवं नगर निगम को सुंदर स्वच्छ और अयोध्या को विकास पर ले जाने का काम करें।

### अज्ञात चोरों ने नकब लगाकर 45 हजार रुपये की नगदी सहित लगभग दो लाख का माल चोरी

**रेउसा (सीतापुर)।** रेउसा आए दिन कस्बा में चोरियां हो रही रही हैं। बीती रात में एक घर में नकब लगाकर 45 हजार रुपए की नगदी घरेलू सामग्री व सामान सहित करीब दो लाख रुपए का माल लेकर चोर फरार हो गये। थाना क्षेत्र गैंगस्टर अपराधी मुजरिम चोर का अड्डा बन चुका है। अब ऐसे में स्थानीय पुलिस चोरियों का खुलासा करे तो कैसे करे। कस्बा के बरौली रोड निवासी बुध राम पोरवाल पुत्र स्वर्गीय मैकू लाल रोजाना की भांति खाना पीना खाकर परिवार के साथ सो गये। पड़ोस में ही बना पुरानी बस्ती के निवासी आरिफ के घर का ताला तोड़कर चोर अंदर प्रवेश हो गये। बुधराम के घर के पीछे की दीवार में सेंध लगाकर चोरी जैसी घटना को अंजाम देकर नगदी घरेलू सामग्री कपड़ा आदि सामान उठा ले गये। पीड़ित ने सुबह देखा घर का सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। पड़ोस के घर का ताला टूटा था। पीड़ित द्वारा घटना की तहरीर पुलिस को दे दी गई है। वहीं पुलिस पर सवालिया निशान उठ रहा है। थाने में गैंगस्टर अपराधी चोरों के ठेकेदार मुजरिम जैसे अपराधी थानाध्यक्ष संतोष कुमार के साथ कुर्सियों पर बैठकर रोजाना विचार–विमर्श करते हैं तो पुलिस कैसे इन चोरियों का खुलासा कर सकती है। कस्बा में अटल चौक पर पुलिस चौकी के सामने रामू व मनीष रस्तोगी की दुकान से दो मोबाइल आठ हजार रुपए की नगदी टप्पे बाजी हुई। बम्हनावा गॉव के निवासी राज किशोर शुक्ला के धर्म कांटा में बैटरी सोलर पैनल कांटा के बाट करीब नगदी सहित एक लाख रुपये का सामान लेकर फरार व बम्हनावा गांव के अनुज कुमार नाग की परचून की दुकान में सटर काटकर नगदी सहित दो लाख रुपए का सामान लेकर चोर फरार हो गये। पुरानी बस्ती निवासी राधे पुत्र ढोढे के घर के बाहर खड़ी पैशन प्रो मोटरसाइकिल यूपी 34–1690 व कस्बा के तम्बौर रोड स्थित लोकेश मिश्रा बजाज मोटरसाइकिल एजेंसी से नगदी सहित सामान एक लाख रुपये से अधिक व सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल से कुर्सी मेज पैनल बैटरी आदि नई बस्ती निवासी रामू के घर का ताला तोड़कर दस हजार रुपए की नगदी व घरेलू सामान चोर उठा ले गए।

### मोटरसाइकिल ने वृद्ध महिला को मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

**मिल्कीपुर–अयोध्या।** कुमारगंज थाना क्षेत्र के अयोध्या रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए सड़क दुर्घटना में वश्द्ध महिला की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब सुखमता पत्नी विध्या प्रसाद अपने घर से नित्य क्रिया के लिए निकली थी। बड़ी नहर नेवाज का पुरवा के निकट गोसाई बाबा मंदिर के सामने पहुंची ही थी। इसी दौरान अयोध्या की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बुलेट मोटरसाइकिल नंबर डब्ल्यू बी 32 पी 2500 ने जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर से सुखमता गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की जानकारी होने पर पहुंचे परिजनों व ग्रामीणों ने देखा कि सुखमाता के पैर व सिर में गंभीर चोट आई थी बेहोशी हालत में परिजन उपचार के लिए सीएचसी मिल्कीपुर ले गए जहां पर डाक्टरों ने प्रथमिक उपचार करते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया था।

### अज्ञात चोरों ने घर में रखे जेवरात नगदी व साइकिल चुरा ले गए

**अयोध्या।** लाला का पुरवा में घर की दीवाल में सेंट छोड़ने में नाकाम अज्ञात चोर ने घर के पीछे की दीवार फांद कर आंगन के रास्ते कमरे में रखे जेवरात सहित नकदी रुपए व साइकिल को चुरा ले गए । सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में कार्रवाई में जुटी हुई है । मामला हैदरगंज थाना क्षेत्र के खपराडीह लाला का पुरवा गांव का है । जहां निवासी बैजनाथ गुप्ता पुत्र स्वर्गीय राम दास गुप्ता ने बताया कि सोमवार की बीती शाम उसकी बहू की तबीयत खराब होने पर उसे उसका पुत्र जिले पर ले गया था । इस दौरान घर पर वह और उसकी पत्नी बाहर सोए हुए थे । अज्ञात चोर रात में उसकी घर के उत्तरी दीवार पर सेंध काटने लगे परंतु कामयाब नहीं हुए । जिसके उपरांत पीछे दीवार फांद कर चोर घर के आंगन में पहुंच गए और अंदर से दरवाजा बंद होने पर आंगन में रखी चारपाई के रास्ते घर के छत पर चढ़कर जीने से कमरे में पहुंच गए ।

# बैंक मित्र से हुई लूट का पुलिस ने किया खुलासा

**हरदोई।** पिहानी के एक जन सेवा केंद्र संचालक से 9 मई की शाम को लगभग सवा लाख की लूट का लुटेरों को गिरफ्तार करते हुए पुलिस ने खुलासा किया है। लुटेरों के पास से पुलिस ने 95800 रुपए भी बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने लुटेरों के पास से एक तमंचा और चार कारतूस बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि 9 मई को थाना पिहानी के सरहेजू के मजरा हुल्ला पुरवा निवासी रामवीर सिंह पिहानी में बैंक मित्र हैं और अपना जनसेवा केंद्र चलाते हैं। रोज की भांति वो पिहानी से अपने घर जा रहे थे ।

महोलिया चौराहे पर मोटर साइकिल पर सवार तीन अज्ञात लोगों ने उनका बैग छीन कर लूट की घटना को अंजाम दिया था। बैग में लगभग सवा लाख रुपए व दो मोबाइल, चेकबुक, एटीएम सहित अन्य जरूरी कागजात भी थे। पुलिस ने अपना मुखबिर तंत्र सक्रिय कर घटना के छठे दिन तीन लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया।

सूरज पुत्र नन्हे ,सूरज पुत्र राम विलास व अमन शुक्ला तीनों लुटेरे पाली थाना के पाली कस्बे के निवासी हैं। पुलिस ने लुटेरों के पास से लूटे हुए 95800 रुपए भी बरामद कर लिए। पूछताछ में लुटेरों ने बताया कि रामवीर को लूटने के लिए कई दिनों से रेकी कर रहे थे। लूटी हुई रकम को सबने बांट लिया था। मोबाइल को तोड़ कर फेक दिया था। बैग में रखी चेकबुक व अन्य दस्तावेज जला दिए थे। पुलिस ने लुटेरों की निशान देही पर टूटा हुआ मोबाइल बरामद कर लिया है। पुलिस को लुटेरों के पास एक तमंचा व चार कारतूस भी मिले हैं। पुलिस ने लुटेरों को न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया है।

# स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र में चल रहे दर्जनों अवैध क्लीनिक ?

**कसमंडा (सीतापुर)।** जहां पर प्रदेश सरकार द्वारा देश की जनता को स्वास्थ्य संबंधित सभी सुविधाए सरकारी हॉस्पिटल में मुहैया कराने के आदेश दिए गए हैं। जिससे आम जन मानस की जेब पर दवाई के नाम पर अधिक खर्च न उठाना पड़े। वहीं पर स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र में मरीजों के साथ अवैध क्लीनिक और झोलाछाप डॉक्टर दवाई के नाम पर मनमानी रकम वसूलने का काम कर रहे हैं। आपको बताते चलें जनपद सीतापुर की सीएचसी कसमंडा से मात्र एक किलोमीटर दूर छोटे से कस्बे मास्टरबाग में बिना किसी डिग्री के एक दर्जन से अधिक डॉक्टर धड़ल्ले से बेखौफ होकर मरीजों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करते नजर आ रहे है। इस समय वायरल उल्टी दस्त बुखार आदि रोगों से पीड़ित मरीज इन्ही डॉक्टरों के पास अक्सर जाते दिखाई पड़ रहे हैं।

देखा जाए तो एक छोटे से कस्बे मास्टरबाग में लगभग एक दर्जन बिना डिग्री के डॉक्टर अपना बोर्ड लगाए क्लीनिक चला रहे हैं और प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में मरीजों को दवाई देते नजर आते हैं। क्लीनिक पर बिना किसी आवश्यक सुविधा के होते हुए भी ऑपरेशन से लेकर मरीजों को बोतल चढ़ाने के साथ भर्ती भी किया जाता है। बदले में उन मरीजों से मोटी रकम वसूल कर अपनी जेबें भरने का काम कर रहे हैं। इन अवैध चलते क्लीनिकों पर लगती मरीजों की भीड़ सरकारी अस्पताल और उनके डॉक्टरों पर कही न कही सवालिया निशान जरूर खड़ा करती है? कस्बे में बिना आवश्यक सुविधाओं के संचालित एक क्लीनिक पर जब इस संबंध में बात की गई तो वहां पर उपस्थित डॉक्टर के सहयोगी ने बड़े रौब से बताया कि हम स्वास्थ्य विभाग को समय समय पर समझ लेते हैं और अपनी क्लीनिक चला रहे हैं। कोई नया धंधा थोड़े ही है हम लोग वर्षो से अपना क्लीनिक चलाते आ रहे हैं। यहां के अधिकारियों से हमारी खूब पटती है। इन क्लीनिकों में शामिल मां शांति हॉस्पिटल, एसके हॉस्पिटल, ईए पॉलीक्लीनिक, एसके क्लीनिक, डॉक्टर पुतान डॉक्टर बंगाली, डॉक्टर विश्वास, डॉक्टर अशोक, डॉक्टर गुरुप्रसाद, बरेठी रोड जुड़ौरा रोड पर संचालित क्लीनिकों के साथ–साथ बिना बोर्ड बैनर के कस्बे में अनेकों क्लीनिक चल रहे हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि यह सभी क्लीनिक कस्बे में मेन रोड बिसवां, बरेठी और कमलापुर रोड पर ही चल रहे हैं। सवाल यह उठता है कि क्या स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों की नजर क्षेत्र के इन बिना डिग्री के डॉक्टरों के द्वारा संचालित क्लीनिकों के ऊपर नहीं पड़ती है या फिर स्वास्थ्य विभाग को मिल जाता है। महीने का खर्चा के साथ मिली भगत से चल रहे हैं यह क्लीनिक।

# नौघड़ा कपड़ा बाजार के साड़ी सेंटर में भीषण आग से मची अफरा–तफरी

## आग बुझाने के लिए फायर कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**कानपुर।** कानपुर नौघड़ा कपड़ा बाजार की एक साड़ी सेंटर में सोमवार दोपहर को आग लग गई। आग की लपटों ने देखते ही देखते चार मंजिला बिल्डिंग में स्थित दुकान और गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। मामले की जानकारी मिलते ही लाटूश रोड और फजलगंज से करीब आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंची। सकरी गलियां होने के चलते फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भीतर नहीं घुस सकी और आग बुझाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

बादशाहीनाका थानाक्षेत्र के मालिन वाली गली नौघड़ा कपड़ा बाजार में चार मंजिला मकान है। जिसमें चौथी मंजिल में दीपक जैन,पत्नी अंजू जैन,बेटा कार्तिक,तीसरी मंजिल में जगत गुप्ता, पत्नी पूनम उनके भाई उमेश और पत्नी नंदनी,दूसरी मंजिल

में गौरव मिश्रा पशुपति ट्रेड नाम से कपड़े के गोदाम है। जबकि ग्राउंड फ्लोर पर गुलशन अरोड़ा की सागर वस्त्रालय नाम से कपड़े की दुकान है। आग से लाखों का नुकसान सोमवार दोपहर ग्राउंड फ्लोर पर स्थित सागर वस्त्रालय में शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग की लपटें उठती देख वहां हड़कंप मच गया। आनन–फानन में मकान में रहने वाले लोग बाहर निकल आए। कानपुर कपड़ा कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रुमित सागरी ने आग लगने की फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

सूचना पाकर लाटूश रोड,कर्नलगंज,मीरपुर,फजलगंज, किदवई नगर व पनकी की फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। फायर कर्मियों ने बगल में रहने वाले लक्ष्मण मिश्रा के मकान से सीढ़ी लगाकर अंजू, पूनम, कार्तिक व नंदनी को सुरक्षित बाहर निकाला।

### पार्षद कार्यालय के बाहर गाली गलौज करके भागे आरोपित को दबोचा

**कानपुर।** बेकनगंज में पार्षद के कार्यालय के बाहर देर रात गाली गलौज करके भागे आरोपित को पार्षद ने समर्थकों की मदद से दौड़ा कर दबोचा। पार्षद ने आरोपित को पुलिस के सुपुर्द किया है। आरोपित कई मामलों में जेल जा चुका है। पुलिस सीसी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ आरोपित से पूछताछ कर रही है।

वार्ड संख्या 109 नाजिर बाग के पार्षद हाजी सुहैल का बेकनगंज में कार्यालय है। पार्षद ने बताया कि उनके कार्यालय में देर रात तक समर्थकों का आना जाना रहता है। रविवार रात भी समर्थक कार्यालय में बैठे थे। तभी दो बाइक सवार उनके कार्यालय के बाहर गाली गलौज करते हुए निकले। इस दौरान बाइक सवारों ने हाजी जिया जिंदाबाद के नारे भी लगाए। इस पर समर्थकों ने उन्हें घटना की जानकारी दी। समर्थकों ने बाइक सवारों को दौड़ाया। रूपम चौराहे के पास बाइक अनियंत्रित होकर गिरी तो एक आरोपित को दबोचा गया।

# किशोरी संग युवक ने किया दुष्कर्म,आरोपित गिरफ्तार

**कानपुर।** बिधनू कठारा गांव के पास रविवार देर रात रास्ता भटकी 17 वर्षीय किशोरी संग युवक ने दुष्कर्म किया। किशोरी के शोर मचाने पर कुछ दूरी पर मिट्टी खोद रहे बुल्डोजर और डंपर चालकों ने आरोपित युवक को पकड़कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर किशोरी को उपचार के लिए भेजा। किशोरी के मुताबिक,वह सजेती क्षेत्र के एक गांव में रहती है। रविवार शाम को वह किसी बात पर स्वजन से नाराज होकर घर निकल आई थी। गुस्से में वह लखनऊ जा रही रोडवेज बस पर बैठ गई। रात करीब आठ बजे वह झकरकटी में बस से उतर गई। जिसके बाद वह शहर में रास्ता भटक गई। घूमते हुए देर रात करीब 12 बजे वह नौबस्ता चौराहे के पास पहुंची। जहां पास में खड़े एक युवक से सजेती जाने का रास्ता पूछा।

जिसपर आरोपित युवक ने खुद को सजेती जाने की बात कहते हुए घर छोड़ने देने का भरोसा दिया। इस दौरान उसने एक बाइक सवार से लिफ्ट मांगी। जिसने कठेरुआ गांव में कठारा मोड़ के पास उतार दिया। जहां आरोपित ने पास के कठारा गांव स्थित रिश्तेदार के घर से बाइक लेने की बात कहकर साथ पैदल चलने को कहा। जिसके साथ वह पैदल चल दी। कुछ दूरी चलने के बाद उसने झाड़ियों में उसे खींच ले गया। जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। शोर मचाने पर कुछ दूरी बुलडोजर से मिट्टी की खोदाई कर रहे चालकों ने घेराव कर आरोपित को पकड़ पीटने के बाद पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी सतीश राठौर ने सोमवार को बताया कि आरोपित कठारा निवासी यूनुस का बेटा परवेज आलम है। जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। किशोरी के स्वजनों को बुलाकर मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया है।

# हृदय रोग व डायबिटीज को रोकने के लिए दिया योग का प्रशिक्षण

## मुक्त विश्वविद्यालय ने गोहरी की पाठशाला में लगाया योग शिविर

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**प्रयागराज।** हउत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के विज्ञान विद्या शाखा द्वारा सोमवार को गोद लिए गए गांव गोहरी में योग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम गोहरी गांव स्थित बेचू का पूरा प्राइमरी पाठशाला के परिसर में आयोजित किया गया। योग जागरूकता कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के असिस्टेंट प्रोफेसर अमित कुमार सिंह द्वारा उपस्थित ग्रामीणों तथा पाठशाला के बच्चों सहित विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को योग का अभ्यास कराया गया। योगाभ्यास में ग्रामवासियों को हृदय रोग व डायबिटीज को रोकने के लिए योग का प्रशिक्षण दिया गया।

इस अवसर पर विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने योगाभ्यास के महत्व एवं विश्वविद्यालय द्वारा संचालित योग जागरूकता कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने योग का स्वास्थ्य पर प्रभाव का विस्तृत वर्णन किया तथा नियमित योगाभ्यास करने की सलाह दिया। उन्होंने योग से आरोग्य का वर्णन किया। विश्वविद्यालय की महिला अध्ययन केंद्र की सह–समन्वयक डॉ मीरा पाल तथा डॉ दीप्ति श्रीवास्तव ने ग्रामीण महिलाओं को योग के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन विज्ञान विद्या शाखा के प्रोफेसर जे पी यादव ने किया। कार्यक्रम के उपरांत पाठशाला के प्राचार्य श्री कुलदीप शुक्ला ने योग शिविर के आयोजन का प्रमाण पत्र भी विश्वविद्यालय को दिया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शिवपूजन पटेल ने गांव वासियों को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित योग के विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में डॉ दिनेश गुप्ता, डॉ आरपी सिंह, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपक चौबे, डॉ सुषमा चौहान, डॉ साधना सिंह, डॉ दीपमाला, डॉ गोपाल कृष्णन सिंह, डॉ चंद्रेश्वर यादव आदि उपस्थित रहे।

### पीसीएस परीक्षा : दिन भर गश्त पर रहे डीएम व एसपी

**कौशाम्बी ।** राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस प्री 2023 परीक्षा रविवार को दो पाली में सकुशल संपन्न हुई। इस दौरान डीएम सुजीत कुमार व एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव मोबाइल रहकर परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते रहे। परीक्षा सकुशल व सुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने में दो सेक्टर व छह स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात रहे। पीसीएस परीक्षा संपन्न कराने के लिए जिले में पहली बार छह सेंटर बनाए गए। रविवार को पहली पाली की परीक्षा सुबह साढ़े नौ से साढ़े 11 बजे तक चली। दूसरी पाली की परीक्षा ढाई बजे से साढ़े चार बजे तक आयोग के निर्देशानुसार संपन्न कराई गई। ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के लिए दो सेक्टर व छह स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की थी। इनके अलावा वह स्वयं परीक्षा के दौरान एसपी को लेकर एक–एक केंद्र पर जायजा लेते देखे गए। सभी छह केंद्रों भवंस मेहता महाविद्यालय, भवंस मेहता विद्याश्रम, कस्तूरबा गांधी बालिका इंटर कॉलेज, महेश्वरी प्रसाद इंटर कॉलेज, नेशनल इंटर कॉलेज व दुर्गा देवी इंटर कॉलेज में दोनों पाली की परीक्षा सकुशल संपन्न होने पर जिला प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

# रेलवे पुल बंद होने से जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश व्यापारी एकता समिति एवं अभिभावक एकता समिति द्वारा जिलाधिकारी प्रयागराज कार्यालय मे अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम गणेश कनौजिया को समिति के प्रदेश अध्यक्ष विजय गुप्ता के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया।

इस अवसर पर विजय गुप्ता ने कहा कि निरंजन सिनेमा के पास रेलवे पुल पर चल रहे निर्माण के कारण उक्त मार्ग को पूरी तरह से बन्द कर दिया गया है। जिसके कारण आम जनमानस सहित व्यापारी समाज को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोगियों को अस्पताल बच्चों को स्कूल पहुंचने में बहुत परेशानी हो रही है। स्कूल छूटने के बाद भूखे प्यासे बच्चे 3:00 बजे दोपहर तक घर पहुंच पा रहे हैं। नगर का मुख्य तथा बीचोबीच होने के कारण व्यापार का यह प्रमुख केन्द्र है किन्तु पुल निर्माण के कारण मार्ग बन्द है और न कोई व्यापारी पहुंच पा रहा है न ही दुकानों पर ग्राहक आ रहे हैं। जिसके कारण व्यापारियों के समक्ष रोजी रोटी की भी समस्या पैदा होने लगी है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों एवं अभिभावकों की पीड़ा पर ध्यान देते हुए कोई ऐसा मार्ग निकाले जिससे पुल निर्माण में कोई बाधा भी न पैदा हो और व्यापार पर भी कोई दुष्प्रभाव न पड़े।

ज्ञापन सौंपने वाले व्यापारी नेता प्रमिल केसरवानी, श्वेता गुप्ता, विकास अग्रहरि, सुनील जैन, अभिलाष केसरवानी, रवि शुक्ला, नितिन दुबे, विनय गुप्ता, मनजीत कृष्णा, संदीप शुक्ला, कमलेश कुमार, संजय कुमार, राकेश कुमार, सुशील कुमार, अवधेश नारायण वर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

# सादगीपूर्ण ढंग से मनाई गयी शहीद सुखदेव की 116वीं जयन्ती

**प्रयागराज।** भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में 'सुखदेव' एक ऐसा नाम है जो न सिर्फ देशभक्ति बल्कि साहस और कुर्बानी का भी प्रतीक है। 23 मार्च 1931 के दिन सुखदेव अपने दो क्रान्तिकारी साथियों भगतसिंह और राजगुरु के साथ खुशी खुशी फाँसी के तख्ते पर लटककर शहीद होना स्वीकार किया था। उक्त बातें प्रबुद्ध फाउंडेशन और डा. अम्बेडकर वेलफेयर एसोसिएशन (दावा) के अध्यक्ष उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने अलोपीबाग स्थित दावा के कार्यालय पर सादगीपूर्ण ढंग से अमर शहीद वीर सुखदेव की 116 वीं जयन्ती मनाते हुये कही। आईपी रामबृज ने आगे बताया कि शहादत के पच्चासी साल बाद भी भारत के ऐसे शहीद भारत की जनता के दिलों में अब भी जिन्दा हैं। भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव को अंग्रेजी सरकार ने 23 मार्च 1931 को लाहौर षड़यंत्र केस में फाँसी दी थी। इन वीरों को फाँसी की सजा देकर अंग्रेज सरकार इस मुगालते में थी कि भारत की जनता इस कार्रवाई से डर जायेगी और स्वतंत्रता की भावना को भूलकर विद्रोह नहीं करेगी लेकिन उनके मंसूबों पर पानी फिर गया और इन शहीदों की कुर्बानी ने देश की जनता में आजादी के प्रति ऐसी भावना भर दी कि हजारों देशवासी सर पर कफन बाँधकर अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ जंग में कूद पड़े। उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता शुकदेव राम ने बताया कि सुखदेव का जन्म 15 मई 1907 को लुधियाना में हुआ था। इनके पिता का नाम रामलाल और माता का नाम लल्ली देवी था। तीन वर्ष की आयु में ही पिता का साया सुखदेव के सर से उठ गया। इस अवसर पर डा. एसपी सिद्धार्थ, रिटा. डिप्टी एसपी बहादुर राम, रिटायर्ड प्रधानाचार्य एलके अहेरवार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जयन्ती समारोह में रिटा. डिप्टी एसपी बीआर दोहरे, बलवन्त गौतम, भारत सिंह, जीयुत प्रसाद, जीडी गौतम,, इ. आरआर गौतम, इ. उमाशंकर मणि, इं. माता प्रसाद, निशा, हिमांशु, प्रियांशु, मनीषा, गायत्री आदि उपस्थित रहे।

# संक्षिप्त खबरे

### उच्च न्यायालय में लम्बित मुकदमों के तुरंत निस्तारण का वादकारियों को स्वर्णिम अवसर

**प्रयागराज।** सचिव, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, इलाहाबाद ने बताया है कि दिनांक 21.05.2023 (दिन रविवार) को मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद में लम्बित मोटर दुर्घटना प्रतिकर से सम्बंधित अपीलें, पारिवारिक मामले, द्वितीय अपील (सेकेण्ड अपील) एवं ऐसे वाद जो मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद के समक्ष विचाराधीन है तथा सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारित किये जा सकते है, को नेशनल लोक अदालत में सूचीबद्ध कर निस्तारित किया जायेगा। विद्वान अधिवक्तागण व वादकारीगण से अपेक्षा की जाती है कि अपने उक्त प्रकार के मामलों को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित करवाने हेतु अपना प्रार्थना पत्र सचिव, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, उच्च न्यायालय इलाहाबाद को सम्बोधित कर, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के मेल आई0डी0 hclsc@allahabadhighcourt-in पर अथवा उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के कार्यालय में प्रेषित प्रस्तुत करें। कृपया अपने मुकदमें को समझौते के आधार पर त्वरित निस्तारण हेतु नेशनल लोक अदालत का लाभ उठायें, विस्तृत जानकारी हेतु hclsc@allahabadhighcourt-in अथवा निम्नलिखित हेल्प लाइन फोन नम्बर 8004029620, 9305179051 पर एक सप्ताह के अंदर सम्पर्क करें।

### थाना कोरांव पुलिस द्वारा छेड़खानी के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

**प्रयागराज।** थाना कोरांव पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 175/2023 धारा 354ख भादवि व 7ध्8 पॉक्सो एक्ट मे नामजद वांछित अभियुक्त अलित कुमार पुत्र राम निवासी खैलिया थाना रैहरा जनपद अमरोहा को दिनांक 15.05.2023 को सीएचसी कोरांव के पास थाना क्षेत्र कोरांव से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त–अलित कुमार पुत्र राम निवासी निवासी खैलिया थाना रैहरा जनपद अमरोहा, उम्र 20 वर्ष सम्बन्धित अभियोग का विवरण–मु0अ0सं0 175/2023 धारा 354ख भादवि व 7/8 पॉक्सो एक्ट थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम–1. उ0नि0 ब्रजेश सिंह थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज 2. हे0का0 राम सहाय यादव थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज थाना कोरांव पुलिस द्वारा अपहरण के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार थाना कोरांव पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 170/2023 धारा 363/366/504 भादवि मे नामजद वांछित अभियुक्त लाल बाबू पुत्र देवीदीन निवासी कटरा मोहल्ला चमनगंज कोरांव थाना कोरांव प्रयागराज को दिनांक 15.05.2023 को लेडियारी तिराहा के पास थाना क्षेत्र कोरांव से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त–लाल बाबू पुत्र देवीदीन निवासी कटरा मोहल्ला चमनगंज कोरांव थाना कोरांव प्रयागराज ,उम्र 21 वर्ष सम्बन्धित अभियोग का विवरण– मु0अ0सं0 170/2023 धारा 363/366/504 भादवि थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–

1. उ0नि0 अनुज राय थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज
2. का0 राहुल गौड़ थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज

### थाना बहरिया पुलिस द्वारा 01 वारण्टी गिरफ्तार

**प्रयागराज।** थाना बहरिया पुलिस टीम द्वारा मा0 न्यायालय जे0एम0–2 इलाहाबाद के मु0नं0 2092/10 अ0सं0 73/89 धारा 336/323/504 भादवि थाना बहरिया से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त राजेन्द्र प्रसाद पुत्र गंगा प्रसाद यादव नि0 हरिरामपट्टी उर्फ कटनई थाना बहरिया प्रयागराज को दिनांक 15.05.23 को ग्राम हरीरामपट्टी उर्फ कटनई से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–

राजेन्द्र प्रसाद पुत्र गंगा प्रसाद यादव नि0 हरिरामपट्टी उर्फ कटनई थाना बहरिया प्रयागराज सम्बन्धित अभियोग का विवरण–मु0नं0 2092/10 अ0सं0 73/89 धारा 336/323/504 भादवि थाना बहरिया बनाम रामाश्रय, प्रयागराज गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–

1. उ0नि0 रोहित मयंक थाना बहरिया, प्रयागराज
2. का0 मन्नू यादव थाना बहरिया, प्रयागराज
3. का0 जावेद सिद्दीकी थाना बहरिया, प्रयागराज

### थाना फूलपुर पुलिस अपहरण के अभियोगों के वांछित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

**प्रयागराज।** थाना फूलपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 53/23 धारा 363/366 भा0द0सं0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त राहुल कुमार पुत्र गुलाबचन्द्र निवासी ग्राम दमगढ़ा (भोज का पुरा), थाना उतरांव जनपद प्रयागराज को दिनांक 14.05.23 को परासिनपुर नहर थाना फूलपुर प्रयागराज के समीप से गिरफ्तार किया गया तथा इसी क्रम में थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 162/23 धारा 363/366 भा0द0सं0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त किशन पुत्र अवधेश निवासी ग्राम ढोकरी थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 24 वर्ष बाबूगंज फूलपुर बाजार थाना क्षेत्र फूलपुर से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण–1. राहुल कुमार पुत्र गुलाबचन्द्र निवासी ग्राम दमगढ़ा (भोज का पुरा), जनपद प्रयागराज 2. किशन पुत्र अवधेश निवासी ग्राम ढोकरी थाना फूलपुर, जनपद प्रयागराज सम्बन्धित अभियोगों का विवरण–

1. मु0अ0सं0–53/2023 धारा 363/366 भा0द0सं0 थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज 2. मु0अ0सं0–162/2023 धारा 363/366 भा0द0सं0 थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराजगिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–

1. उ0नि0 मोनिश आलम, थाना फूलपुर, जनपद प्रयागराज
2. उ0नि0 सुनील प्रसाद थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज

# मदर्स डे पर वाक इन साड़ी का अद्भुत आयोजन

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**प्रयागराज।** चंद्र शेखर आजाद पार्क में मदर्स डे के उपलक्ष्य में प्रयागराज प्रेशर डॉक्टर रितु जैन के नेतृत्व में नगर में मएक अभूतपूर्व अभियान वाक इन साड़ी का आयोजन किया।

इस आयोजन में प्रयागराज पेसर के सभी सदस्य विशेषकर रागनी चंदेल, डॉ पल्लवी निगम और प्रिया अग्रवाल सहयोगी रहे। सॉडी अब ना रहेगी बाधा फिटनेस से है अपना वादा इस कार्यक्रम का मुख्य नारा था। इस आयोजन का उद्देश्य मुख्यतः महिलाओं से अपने व्यस्त जीवन से कुछ समय व्यायाम को देने के लिए प्रोत्साहित करना था। इसके द्वारा यह संदेश दिया गया कि 30 से 45 मिनटों की रोज की सैर से स्वस्थ रहेंगे। पूरा परिवार स्वस्थ रहेगा। इस आयोजन के उपलक्ष्य में बच्चों ने भी मां को प्रोत्साहित करने के लिए हिस्सा लिया। उन्होंने पूरी में जगह जगह खड़े रहकर तालियां बजाकर सभी माताओं का उत्साह बढ़ाया। मॉर्निंग वॉकर एसोसिएशन के सभी सदस्यों व सचिव लालू मित्तल तथा सुबह की सैर करने वाले महिलाओं, पुरुषों, स्टेडियम के खिलाड़ियों ने के पूरे रास्ते भर तालियां बजाकर चीयर अप किया। इस कार्यक्रम में की सफलता के अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि कार्यक्रम के लिए पंजीकरण अपनी निर्धारित सीमा से दुगनी संख्या पर पहुंच गई। व्यापारियों, चिकित्सकों व व्यापार मंडल के अध्यक्ष लालू मित्तल ने कहा ऐसे कार्यक्रम प्रयागराज में फिटनेस की दिशा में लोगों को प्रोत्साहित करेगा और अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर रहने का संदेश देगा। इस तरह के कार्यक्रम कंपनी बाग में लगातार आयोजित किए जाने चाहिए।

### महपौर गणेश केसरवानी और मीरापुर पार्षद साहिल अरोरा की जीत पर व्यापारियों ने बाटी मिठाई

**प्रयागराज।** ऐतिहासिक मतों के अंतर से जीतने वाले गणेश केसरवानी तथा सबसे भारी मतों से जीते वाले युवा पार्षद साहिल अरोरा ने अपने कार्यशैली से न सिर्फ मीरापुर क्षेत्र बल्कि संपूर्ण प्रयागराज वासियों का दिल जीत लिया है। उनके जीतने की खुशी में प्रयाग व्यापार मंडल व शगुन ग्रुप चौक की तरफ से मिठाई बांटी गई प्रयाग व्यापार मंडल अध्यक्ष विजय अरोरा, महामंत्री सोहेल अहमद खान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राणा चावला, अरुण केसरवानी, सुशील खरबंदा और अकरम शगुन नें मिल कर मिठाई बांटी। जिला महिला व्यापार मंडल अध्यक्ष श्रीमती अवंतिका टंडन और महासचिव श्रीमती पल्लवी अरोरा ने साहिल अरोरा को उनकी सफलता पर ढेरो शुभकामनाए दी। सभी व्यापारी इस जीत से बेहद प्रसन्न हैं।

### एसीए ने जस्टिस एएन वर्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए

**प्रयागराज।** इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने अपने पूर्व उपाध्यक्ष जस्टिस एएन वर्मा के निधन पर शोक जताया है। साथ ही उनके अस्थिकलश पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई भी दी। एसीए के डायरेक्टर एसडी कौटिल्य एवं जूनियर चीफ सेलेक्टर अनुराग श्रीवास्तव ने सिविल लाइंस में एलगिन रोड स्थित न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास पर पहुंचकर जस्टिस एएन वर्मा के अस्थि कलश पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। साथ ही एसीए के डायरेक्टर ताहिर हसन की अध्यक्षता में शोक सभा कर जस्टिस एएन वर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। एसोसिएशन के कानपुर रोड स्थित कार्यालय में हुई शोक सभा में डायरेक्टर आरपी भटनागर ने बताया कि जस्टिस एएन वर्मा का संगमनगरी के क्रिकेट काफी योगदान रहा। वह जब अधिवक्ता थे, तब एसीए के ज्वाइंट सेक्रेटरी थे और हाईकोर्ट के न्यायाधीश बनने के बाद भी उन्होंने बतौर उपाध्यक्ष एसीए में क्रिकेट गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया।

### बैंक मैनेजर की पत्नी की हत्या के लिए सुपारी ले चुका शातिर शूटर विजय कालिया, गिरफ्तार

**मेरठ।** लखनऊ एसटीएफ के हत्थे चढ़ा विजय अग्रवाल उर्फ कालिया वेस्ट यूपी में भी पैर जमाने का प्रयास कर रहा था। उसने महिला बैंक कैशियर से अपने शादीशुदा प्रेमी बैंक मैनेजर की पत्नी की हत्या करने के लिए दस लाख की सुपारी ली थी। एडवांस के तौर पर एक लाख की रकम भी ले चुका था। तब भी एसटीएफ मेरठ की टीम ने विजय अग्रवाल उर्फ कालिया को उसके दो साथियों के साथ गिरफ्तार किया था। बैंक में मैनेजर थे मुकुल गर्गकंकरखेडा की किंग्स आवास विकास कालोनी निवासी मुकुल गर्ग बैंक में मैनेजर थे। वाराणसी के आवास विकास कालोनी पांडेय पुर में रहने वाली प्रियंका सिंह राजपूत भी मिर्जापुर के एचडीएफसी बैंक में उस समय कैशियर थी। 11 साल पहले नौकरी के दौरान मुकुल गर्ग और प्रियंका की मुलाकात हो गई थी। प्रियंका का कहना था कि परिवार के दबाव में आकर मुकुल गोयल ने दस जुलाई 2019 को मनीषा गुप्ता उर्फ मानवी से शादी कर ली। तभी से प्रियंका मानसिक तनाव में आ गई थी। शूटर विजय कालिया से किया था संपर्क प्रियंका की हालत को देखते हुए उसके भाई विवेक राजपूत ने विजय अग्रवाल उर्फ विजय कालिया निवासी विकास नगर लखनऊ से संपर्क किया था। शूटर विजय कालिया उस समय अपनी बहन के घर वाराणसी आया हुआ था। पांडेयपुर में मार्निंग वाक के दौरान विजय कालिया की मुलाकात विवेक से हुई थी। उसने विजय को अपनी बहन प्रियंका से मिलवाया। तब प्रियंका ने विजय से मनीषा की हत्या के लिए दस लाख में सुपारी दी थी। विजय कालिया अपने दो साथी अखिलेश वाजपेयी निवासी अरथाना सीतापुर और राजकुमार राय उर्फ अमर राय निवासी अमौली चंदौली मेरठ आया था। कंकरखेड़ा स्थित एक होटल में प्रियंका ने उनके रुकने के लिए रूम बुक किए थे। एसटीएफ ने तीनों अपराधियों को पकड़ा था विजय कालिया लखनऊ से हथियार लेकर लग्जरी कार में आया था। तब एसटीएफ को भनक लगने तीनों अपराधियों को पकड़ लिया था। मंगलवार को विजय अग्रवाल उर्फ कालिया को एसटीएफ की टीम ने विजय कालिया को पकड लिया।

# महाकुंभ के पहले धार्मिक पर्यटन का हब बनेगा प्रयागराज

## द्वादश माधव का कायाकल्प कर रहा है पर्यटन विभाग

**प्रयागराज।** अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन की विरासत की वजह से उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय पटल पर एक सक्षम,समर्थवान और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में उभरा है। योगी सरकार द्वारा 2019 के कुम्भ के भव्य आयोजन से मिली वैश्विक पहचान ने कुम्भ नगरी प्रयागराज में पर्यटन की अपार संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। इन संभावनाओं के मूल में है कुंभ नगरी में धार्मिक पर्यटन की। संगम नगरी प्रयागराज की पहचान उसके धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप से है। कुम्भ 2019 के भव्य आयोजन के बाद पर्यटन को लेकर दुनिया भर में इसकी जो नई पहचान बनी है उससे इसके पर्यटन के हब के रूप में विकसित करने की क्षमता सामने आई है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह के अनुसार प्रयागराज में संगम के अतिरिक्त द्वादश माधव और पंचकोशी परिक्रमा के रूप में धार्मिक पर्यटन की पर्याप्त संभावनाएं है जिन्हें पर्यटन विभाग तेजी से विकसित कर रहा है। पौराणिक मंदिरों का शहर है प्रयागराज, जिसमें पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार संभावनाए हैं। इन पौराणिक मंदिरों में भी द्वादश माधव कुम्भ नगरी की आध्यात्मिक पहचान हैं। योगी सरकार इन द्वादश माधवों को पर्यटन के नक्शे में विशेष स्थान प्रदान करने के लिए उनका कायाकल्प कर रही है।

प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह के मुताबिक इन सभी माधव का सौन्दर्यीकरण किया जा रहा है। सभी स्थलों में सम्पर्क मार्ग को पक्का किया जा रहा है, सत्संग स्थल तैयार हो रहे हैं। सभी द्वादश माधव में एक ही थीम पर आधारित प्रवेश द्वार का निर्माण किया जा रहा है। सभी स्थलों में म्यूरल भी बनाये जा रहे हैं जो उस विशिष्ट माधव के सार को प्रकट करते हों।

महाकुम्भ के आयोजन में प्रयागराज पहुचने वाले पर्यटकों का प्रमुख केंद्र कुम्भ क्षेत्र होगा। इस कुम्भ क्षेत्र में संगम के घाट और संगम किनारे के मंदिर शामिल हैं । पर्यटन विभाग और मेला प्राधिकरण इन स्थलों को भी पर्यटकों के दृष्टिकोण से विकसित कर रहा है। कुम्भ मेला प्राधिकरण प्रयागराज के प्रमुख 7 घाटों को काशी के घाटों की तर्ज पर पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित कर रहा है। प्राधिकरण के अनुसार इन घाटों में दशाश्वमेध घाट, किला घाट, सरस्वती घाट, छतनाग घाट, भैरव घाट, रसूलाबाद घाट शामिल हैं। इन घाटों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। यहाँ पर सेल्फी पॉइंट का निर्माण किया जाएगा।

# महिला ने लगाया ग्राम प्रधान और सचिव पर बीस हजार रुपए मांगने का आरोप

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**प्रयागराज।** हंडिया क्षेत्र के लमाही गांव की निवासी एक महिला ने ग्राम प्रधान एवं सचिव पर बीस हजार रुपए मांगने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री सहित कई अन्य अधिकारियों को अपने वकील के माध्यम से भेजे गए पत्र में उसने कहा है कि ग्राम प्रधान और सचिव घूस का पैसा न पाने के कारण आवास योजना की दूसरी किस्त नहीं भेजने दे रहे। श्रीमती आशा देवी पत्नी श्री संजय (नाई), ग्राम– लमाही, विकास खण्ड–इंडिया, जनपद–प्रयागराज उ० प्र०, पंजीकरण संख्याः यूपी 125921234 श्रेणी – अन्य के अन्तर्गत प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अन्तर्गत एक आवास स्वीकृत हुआ है और प्राप्त करायी गयी जानकारी के अनुसार उसके बैंक खाते में दिनांक 13.02.2023 को प्रथम किश्त के रूप में रु० 40,000 – की धनराशि अंतरित हुयी है। उसके बाद आशा देवी ने स्वीकृत आवास का निर्माण नीव स्तर तक करा लिया। इसका वेरीफिकेशन भी ग्राम सचिव द्वारा बहुत पहले लिया जा चुका है। लेकिन अभी तक प्रार्थिनी के बैंक खाते में स्वीकृत आवास की द्वितीय किश्त की धनराशि अंतरित नही हो पायी है। आशा देवी के अधिवक्ता बनारसी सिंह के अनुसार जब यह ज्ञात हुआ है कि ग्राम लमाही के ही अन्य लाभार्थियों जिन्हें प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अन्तर्गत आवास स्वीकृत हुआ है, के बैंक खाते में द्वितीय किश्त की धनराशि अंतरित हो गयी है। इस पर वाह जानकारी लेने प्रधान और सचिव के पास पहुंची। आरोप है कि आवास आवंटित कराने के लिये ग्राम प्रधान एवं ग्राम सचिव 20 हजार रुपये की मांग कर रहे थे। पैसा देने का वादा न करने पर उसे आवास स्वीकृत नही कराया गया।

# आदिवासियों पर हमला संस्कृति पर हमला: आशीष मित्तल

**प्रयागराज।** 21 मई को विभिन्न राज्यों के आदिवासी समुदायों के नेता देश के विभिन्न हिस्सों में आदिवासियों के खिलाफ बढ़ते हमलों पर विचार करने के लिए एक अखिल भारतीय आदिवासी सम्मेलन में विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में एकत्र होंगे। यह जानकारी डॉ आशीष मित्तल ने दी है। उन्होंने बताया कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, यूपी, तमिलनाडु तथा त्रिपुरा और मणिपुर के पूर्वोत्तर राज्यों के जनजातीय समुदायों के नेताओं के दिन भर चलने वाले सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है। इस सम्मेलन में 750 से अधिक नेता और कार्यकर्ता भाग लेंगे। अधिवेशन में उद्घाटन भाषण प्रसिद्ध आदिवासी लेखक और पत्रकार और झारखंड महिला आयोग की पूर्व सदस्य डॉ. वासावी कीरो देंगी। उद्घाटन सत्र को अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा (एआईकेएमएस) के अध्यक्ष वेमुलापल्ली वेंकटरमैया और अधिवक्ता एवं आदिवासी मुद्दों के लेखक पी. त्रिनाधराव भी संबोधित करेंगे। ई.ए.एस. सरमा (पूर्व सचिव, भारत सरकार) स्वागत समिति के मानद अध्यक्ष के रूप में और श्री रमन मूर्ति अध्यक्ष के रूप में प्रतिभागियों का स्वागत करेंगे। यह सम्मेलन हमारे आदिवासी समुदायों के खिलाफ बढ़ते हमलों की पृष्ठभूमि में आयोजित किया जा रहा है। हमारी जमीनें छीनी जा रही हैं, हमारी रोजी–रोटी छीनी जा रही है और हमारी पहचान, हमारी संस्कृति और हमारी भाषाओं पर सुनियोजित हमले हो रहे हैं। हमे जबरन आत्मसात करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हमारे उपनिवेश– विरोधी नायकों की उपेक्षा की जा रही है और हमारे बीच कलह और अंतर्विरोध बोने के घृणित प्रयास किए जा रहे हैं। कन्वेंशन का जोर इसके नारों – 'हमारी भूमि, आजीविका और पहचान का संरक्षण' और 'विस्थापन के बिना विकास और वनों के संरक्षण' से परिलक्षित होता है। कन्वेंशन का आयोजन तब किया जा रहा है जब हमारे समुदाय पर हमलों का विरोध करने और अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए, देश के कई हिस्सों में हम पर तेज दमन हो रहा है।

यह सम्मेलन आदिवासी समुदायों के सामने आने वाली समस्याओं को उजागर करेगा और हमारे खिलाफ हमलों का सामना करने के प्रतिरोध के लिए एक रास्ता तैयार करेगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

**–: संस्थापक :–**

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

**संपादक**

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

**R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804**

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।